Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25
www.dainikvishwapariwar.com
रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 273 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, शुक्रवार 03 अप्रैल 2026 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

हनुमान जन्मोत्सव: भक्ति, शक्ति और समर्पण की मिसाल हनुमान जी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हनुमान जी के जन्मोत्सव पर उन्हें नमन किया है। उन्होंने प्रार्थना की कि महाबली की कृपा से उनके सभी भक्तों में साहस और सकारात्मकता का संचार हो। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, भगवान हनुमान जी भक्ति, शक्ति और अटूट समर्पण के अद्वितीय प्रतीक हैं। महाबली की कृपा से उनके सभी भक्तों में साहस और सकारात्मकता का संचार हो।

इस अवसर पर उन्होंने एक 'संस्कृत सुभाषितम्' भी शेयर किया। पीएम मोदी ने लिखा, मनोजवं मारुततुल्यवेगं जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम्। वातात्मजं वानरयूथमुख्यं श्रीरामदूतं शिरसा नमामि॥ 'संस्कृत सुभाषितम्' में कहा गया है, मैं श्रीराम के दूत हनुमानजी की शरण में शीश झुकाता हूं।

हनुमान जयंती पर अमित शाह, योगी समेत कई नेताओं ने दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली। देशभर में 2 अप्रैल को भगवान हनुमान का जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, श्री हनुमान जन्मोत्सव की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। प्रभु राम के अनन्य भक्त, पराक्रम, समर्पण और सेवा के प्रतीक भगवान बजरंगबली से प्रार्थना है कि वे सभी देशवासियों के संकटों को दूर कर उन्हें सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें। जय श्री राम। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 'एक्स' पर संस्कृत श्लोक के साथ शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि भगवान हनुमान शक्ति, भक्ति, निष्ठा और समर्पण के अद्वितीय प्रतीक हैं।

पश्चिम एशिया संकट पर पीएम मोदी की उच्चस्तरीय बैठक, जरूरी आपूर्ति और कीमतों पर फोकस

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को 7, लोक कल्याण मार्ग पर सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) की विशेष बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान विभिन्न मंत्रालयों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई और आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में आम आदमी के लिए आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और कीमतों की स्थिरता पर विशेष ध्यान दिया गया। सरकार ने एलपीजी और एलएनजी की आपूर्ति में विविधता लाने, ईंधन शुल्क में कटौती और बिजली क्षेत्र से जुड़े उपायों की समीक्षा की।

सरकार ने स्पष्ट किया कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफसख्त कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ समन्वय बढ़ाया गया है और नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। बैठक में कृषि क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई।

यूरिया उत्पादन को बनाए रखने और डीएपी/एनपीकेएस के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं के साथ समन्वय बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि खरीफऔर रबी सीजन में किसानों को किसी तरह की कमी का सामना न करना पड़े। ऊर्जा क्षेत्र में भी व्यापक तैयारियों की समीक्षा की गई। सरकार ने बताया कि कोयले का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और गर्मियों में बिजली की मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जा रहे हैं। गैस आधारित बिजली संयंत्रों को राहत देने और कोयले की आपूर्ति बढ़ाने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। कृषि, नागर विमानन, शिपिंग, लॉजिस्टिक्स और एमएसएमई सेक्टर्स में उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए भी रणनीति बनाई गई।

शराब घोटाला... भूपेश के बेटे चैतन्य और लखमा की पेशी

- 59 नए आरोपी भी हुए पेश, इसमें 28 आबकारी अधिकारी शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में आज श्ष्ठ की स्पेशल कोर्ट में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल पेश हुए। इनके साथ 59 नए आरोपियों की भी पेशी थी। इसमें 28 आबकारी अधिकारी भी शामिल हैं। कोर्ट में सभी के बयान दर्ज किए गए।

इस मामले में अब कुल 82 आरोपी बनाए गए हैं। एडवोकेट फैजल रिजवी ने बताया कि कोर्ट के सामने पहले से ही अभियोग पत्र पेश है। श्ष्ठ ने फाइनल अभियोग पत्र दाखिल किया है, जिसमें पहले 23 आरोपी थे, अब बढ़ाकर 82 कर दिए गए हैं। जांच के दौरान इन आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया था और बिना गिरफ्तारी के ही चार्जशीट पेश की गई है। अधिकतर आरोपियों ने धारा 88 के तहत आवेदन भी लगाया है।

3 दिन पहले ईओडब्लयू ने कार्रवाई करते हुए दो शराब निर्माता कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। उनके ट्रक जब्त किए थे। इसके अलावा, शराब घोटाला केस में कांग्रेस प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में कार्यरत अकाउंटेंट समेत 4 लोगों को पूछताछ के लिए ईओडब्लयू दफ्तर तलब किया गया था। उनसे कई घंटे तक पूछताछ की गई थी।

शराब घोटाला मामले में जांच कर रही ईओडब्लयू-ईडी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की तलाश कर रही है।

भारत वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को रक्षा उत्पादन विभाग, भारतीय रक्षा निर्यातकों और अन्य सभी हितधारकों के इस अनुकरणीय प्रदर्शन की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि भारत रक्षा उपकरणों का वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रेरणादायक नेतृत्व में भारत रक्षा निर्यात में प्रभावशाली सफ्लता की कहानी लिख रहा है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जो अब तक का सर्वोच?च स?तर है। यह पिछले वित्त वर्ष के 23,622 करोड़ रुपए के आंकड़े से 14,802 करोड़ रुपए (62.66 प्रतिशत) की भारी वृद्धि दर्शाता है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) और निजी क्षेत्र का योगदान क्रमशः 54.84 प्रतिशत और 45.16 प्रतिशत रहा है। यह रिकॉर्ड उच्च आंकड़ा पिछले पांच वर्षों में लगभग तीन गुना वृद्धि दर्शाता है।

भारतीय रक्षा उद्योग की यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत को विश्व के शीर्ष रक्षा निर्यातकों में स्थान दिलाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

दरअसल, व्यापार सुगमता और रक्षा निर्यातकों को सुविधा प्रदान करने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों ने प्रदर्शन-उन्मुख और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी रक्षा उद्योग के विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। रक्षा उत्पादन विभाग ने इस विकास पथ पर रक्षा निर्यातकों की सहायता के लिए एक नए ऑनलाइन पोर्टल और प्राधिकरणों के लिए सरलीकृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के माध्यम से रक्षा निर्यात नियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया है।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार 10 अप्रैल को लेंगे राज्यसभा सांसद की शपथ

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार आगामी 10 अप्रैल 2026 को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। खबरों के मुताबिक, नीतीश कुमार 9 अप्रैल को ही दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करने के साथ ही बिहार में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर भी मुहर लगती दिख रही है। माना जा रहा है कि खरमास (14 अप्रैल) खत्म होने के बाद राज्य में नई सरकार का गठन होगा और बिहार को नया मुख्यमंत्री मिल सकता है। नीतीश कुमार भले ही मुख्यमंत्री का पद छोड़ दें, लेकिन उनकी सुरक्षा में कोई कमी नहीं की जाएगी। बिहार गृह विभाग ने गुरुवार को स्पष्ट आदेश जारी किया है कि नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भी जेड प्लस' कैटेगरी की सुरक्षा मिलती रहेगी। बिहार विशेष सुरक्षा अधिनियम, 2000 के प्रावधानों के तहत उनकी सुरक्षा आवश्यकताओं की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया गया है। राज्यसभा सदस्य बनने के दौरान भी डीजीपी और स्पेशल ब्रांच को उनकी उच्चतम स्तर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। नीतीश कुमार ने 16 मार्च को राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद 30 मार्च को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस कदम के बाद से ही बिहार में नए मुख्यमंत्री को लेकर कयासों का बाजार गर्म है।

भारत-रूस रिश्तों को नई धार देने दिल्ली पहुंचे रूसी उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव

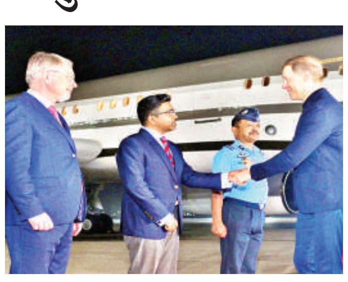

नई दिल्ली। रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और अन्य द्विपक्षीय मुद्दों पर उच्च स्तरीय चर्चा के लिए गुरुवार तड़के नई दिल्ली पहुंचे। पालम हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, रूसी संघ के प्रथम उपाध्यक्ष और भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं सांस्कृतिक सहयोग) के सह-अध्यक्ष डेनिस मंटुरोव का नई दिल्ली में हार्दिक स्वागत। इस यात्रा के दौरान वे विदेश मंत्री एस. जयशंकर से परामर्श करेंगे और अन्य द्विपक्षीय बैठकों में भाग लेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करना है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से जुड़े घटनाक्रम भी चर्चा का प्रमुख विषय रह सकते हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मंटुरोव अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात करेंगे। इस दौरान रक्षा, सुरक्षा, ऊर्जा और व्यापार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर फोकस रहेगा।

जग्गी हत्याकांड... अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी दोषी करार

बिलासपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को दोषी करार दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने उन्हें तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया है। सीबीआई के साक्ष्य को स्वीकार करते हुए फैसला सुनाया गया है। वहीं फैसले पर अमित जोगी ने कहा कि हाईकोर्ट ने पूरी सुनवाई का मौका दिए बिना उन्हें दोषी ठहरा दिया, जो उनके लिए अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ है। सुनवाई के दौरान सतीश जग्गी ने कोर्ट को बताया कि उनके पिता की हत्या एक राजनीतिक साजिश के तहत कराई गई थी। सीबीआई ने 11 हजार पन्नों की चार्जशीट पेश की थी, जिसमें हत्या से जुड़े पर्याप्त साक्ष्य शामिल हैं। इन तथ्यों के आधार पर हाईकोर्ट ने सीबीआई की अपील स्वीकार करते हुए अमित जोगी को सरेंडर करने का आदेश दिया। बता दें कि ट्रायल कोर्ट ने पहले उन्हें संदेह का लाभ देते हुए बरी किया था, लेकिन बाद में मामला दोबारा खोला गया।

ईरान युद्ध को 'बाय-बाय' करने की तैयारी में ट्रंप

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा बयान दिया है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका अपनी भूमिका कम कर सकता है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा का बोझ अकेले नहीं उठाना चाहिए और अन्य देशों को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका को अब अतिरिक्त तेल की आवश्यकता नहीं है, इसलिए उसे इस क्षेत्र में लंबे समय तक सैन्य उपस्थिति बनाए रखने की जरूरत भी नहीं है।

आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा को राज्यसभा उपनेता पद से हटाया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया। राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को उनकी जगह दे दी। पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर जानकारी दी। लेटर में कहा कि सदन में पार्टी की तरफ से बोलने का समय न दिया जाए। राघव 2022 से पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल 2028 तक है। पार्टी ने इस फैसले की वजह नहीं बताई है। हालांकि, उन्होंने लंबे समय से पार्टी से दूरी बना ली थी और,क्क को लेकर कोई बयान नहीं दे रहे हैं। 27 फरवरी को जब सीबीई की अदालत से अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति मामले में राहत मिली, तब भी उन्होंने कोई बयान नहीं दिया था। राज्यसभा में वे लोगों से जुड़े गिग वर्कर्स और स्कूल फीस जैसे मुद्दे उठा रहे थे।

अशोक मित्तल भी पंजाब से आप के राज्यसभा सांसद हैं। पंजाब की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर हैं। 2022 में राज्यसभा सांसद बने थे। राजनीति में आने से पहले वह कामयाब बिजनेसमैन रहे हैं।

महिला आरक्षण पर संसद में 16 अप्रैल से होगी चर्चा

- लोकसभा की सीटें 543 से 816 की जा सकती हैं

नई दिल्ली। संसद में बजट सत्र के दूसरे सेशन की आज की कार्यवाही पूरी हुई। सरकार ने मौजूदा सत्र को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। राज्यसभा और लोकसभा अब 13 दिन के ब्रेक के बाद 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे फिर से बैठेंगी। 3 दिन चलने वाले इस सेशन में महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े अहम बिल पर चर्चा की जाएगी। दरअसल, सरकार लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए संशोधन विधेयक लाने की योजना बना रही है। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। प्रस्तावित 50त्न की बढ़ोतरी के साथ सीटों की संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी, जिसमें से 273 (करीब एक तिहाई) सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सरकार का मकसद 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में संशोधन करना है। इसके जरिए महिलाओं के लिए तय कोटे को परिसीमन प्रक्रिया से अलग करना है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' साल 2023 में पारित किया गया था।

2023 में महिला आरक्षण कानून संविधान के 106वें संशोधन के रूप में पास हुआ था। इसके तहत महिला आरक्षण नई जनगणना के बाद लागू होना है। अब सरकार का प्रस्ताव है कि नई जनगणना का इंतजार करने की बजाय 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन किया जाए। इससे प्रोसेस तय समय पर पूरी हो सकेगी और आरक्षण लागू किया जा सकेगा।

संसद के विशेष सत्र को लेकर विपक्ष विरोध कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि महिला आरक्षण से जुड़े संभावित संशोधन को लेकर सरकार राजनीतिक फायदा लेना चाहती है, खासकर उन राज्यों में जहां विधानसभा चुनाव चल रहे हैं। कांग्रेस का कहना है कि इस तरह के महत्वपूर्ण फैसले चुनाव खत्म होने के बाद ही किए जाने चाहिए। कांग्रेस का सुझाव है कि संसद की अगली बैठक सभी राज्यों में विधानसभा चुनाव होने के बाद ही हो।

अनुराग कपिल ने एनएमडीसी में निदेशक (वित्त) के रूप में पदभार ग्रहण किया

नईदिल्ली। भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) के 1998 बैच के अधिकारी श्री अनुराग कपिल ने भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड में मंगलवार को निदेशक (वित्त) के रूप में पदभार ग्रहण किया । भारतीय रेलवे और सीपीएसयू में 26 वर्षों से अधिक के करियर के साथ , श्री कपिल वित्तीय प्रबंधन और सार्वजनिक क्षेत्र के अभिशासन में परिचालन विशेषज्ञता तथा रणनीतिक विजन का अनुभव रखते हैं। उन्होंने भारतीय रेलवे में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, एफए एंड सीएओ (ट्राफिक), एफए एंड सीएओ (वित्त एवं जनरल) तथा उप मुख्य सतर्कता अधिकारी सहित प्रमुख पदों पर कार्य किया है। उन्होंने कोयला मंत्रालय में निदेशक के रूप में भी कार्य किया तथा कार्य के दौरान मंत्रालय में महत्वपूर्ण नीति और क्षेत्रीय कार्यों का भी सुव्यवस्थित रूप से संचालन किया है। एनएमडीसी में कार्यग्रहण से पूर्व , वे रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक,वित्त (व्यय) के रूप में कार्यरत थे, जहां उन्होंने भारतीय रेलवे के लिए वित्तीय नीति मामलों, व्यय प्रबंधन, योजना, परियोजना निगरानी तथा उत्पादकता विश्लेषण का दायित्व भी निभाया था। उन्होंने रेलवे के सभी सीपीएसई में पूंजी पुनर्गठन, समझौता ज्ञापनों, विनिवेश प्रस्तावों और वित्तीय अनुमोदन से संबंधित पहल सहित पीएसयू अभिशासन को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने सेवा काल के दौरान , श्री कपिल ने वित्तीय निरीक्षण, नीति निर्माण एवं रणनीतिक योजना बनाने में मजबूत नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। उनके अनुभव में सरकारी लेखांकन, परियोजना मूल्यांकन, पीपीपी ढांचे, अनुबंध प्रबंधन एवं आर्विट्रेशन,बजटीय नियंत्रण, लागत-लाभ विश्लेषण तथा कार्यक्रम मूल्यांकन में विशेषज्ञता शामिल हैं। उन्होंने कोयला क्षेत्र में प्रमुख राष्ट्रीय नीतियों के निर्माण में योगदान दिया तथा प्रमुख विनिवेश पहलों और नियामक ढांचे की स्थापना से जुड़े रहे हैं। उनके पास कॉनकॉर के निदेशक (वित्त) का अतिरिक्त दायित्व भी था, जहां उन्होंने वित्तीय प्रदर्शन को मजबूत किया एवं विविधीकरण, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स तथा सतत विकास में रणनीतिक पहल का नेतृत्व किया।

हनुमान जयंती पर महापौर अलका बाघमार ने शहर के विभिन्न मंदिरों में किए दर्शन

दुर्ग (विश्व परिवार)। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने अपने पार्षद साथियों देवनारायण चंद्रकार, शेखर चंद्रकार, लोकेश्वरी ठाकुर के साथ शहर के विभिन्न हनुमान मंदिरों में पहुंचकर भगवान हनुमान जी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

महापौर श्रीमती बाघमार ने इस दौरान स्टील कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर, मालवीय नगर चौक, भाजपा कार्यालय स्थित हनुमान मंदिर, पंचशील नगर, राजेन्द्र पार्क परिसर एवं तामेर पारा स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर बजरंगबली का आशीर्वाद लिया।

मंदिरों में दर्शन हेतु पहुंचे श्रद्धालुजनों एवं शहरवासियों से उन्होंने आत्मीय मुलाकात कर सभी को हनुमान जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस दौरान महापौर ने श्रद्धालुओं के साथ भक्ति भाव से समय बिताया और धार्मिक उत्सव की गरिमा को साझा किया।

कार्यक्रम के दौरान महापौर द्वारा श्रद्धालुजनों को महाप्रसाद का वितरण भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तजनों ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसरों में भक्तिमय वातावरण बना रहा और जय श्रीराम व जय बजरंगबली के जयकारे गूंजते रहे।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि हनुमान जयंती का यह पावन पर्व हमें सेवा, समर्पण और शक्ति का संदेश देता है। भगवान हनुमान जी से उन्होंने प्रदेश एवं शहर की सुख-समृद्धि, शांति और निरंतर उन्नति की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।जन संपर्क/राजू बक्शी

नगर निगम की कार्रवाई के खिलाफ देवभोग मिल्क पार्लर संघ का उग्र प्रदर्शन

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर निगम रायपुर द्वारा शहर में चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत छत्तीसगढ़ शासन के प्रतिष्ठित उपक्रम 'देवभोग' के मिल्क पार्लरों को हटाए जाने के विरोध में आज छत्तीसगढ़ प्रदेश देवभोग मिल्क पार्लर संघ ने मोर्चा खोल दिया।

आज नगर निगम के जोन क्रमांक 10 कार्यालय में बड़ी संख्या में पहुंचे संघ के सदस्यों ने निगम की कार्रवाई के प्रति अपना गहरा आक्रोश व्यक्त किया। विरोध स्वरूप संघ के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कार्यालय परिसर में ही दूध के पैकेट फोड़कर अपना विरोध दर्ज कराया। संघ का तर्क है कि शासन के उपक्रम को अतिक्रमण की श्रेणी में रखकर हटाना अनुचित है, जिससे न केवल स्वरोजगार प्रभावित हो रहा है, बल्कि आम जनता के लिए दुग्ध आपूर्ति में भी बाधा आ रही है।

अधिकारी पर अभद्रता का आरोप :- जोन क्रमांक 10 के कर्मचारी योगेश यदु पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष के साथ अभद्र व्यवहार और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा। संघ के सदस्यों ने इस कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की है।

संघ की प्रमुख मांगें:

देवभोग मिल्क पार्लरों के खिलाफ की जा रही हटाने की कार्रवाई को तत्काल रोका जाए।

प्रदेश अध्यक्ष के साथ अभद्रता करने वाले कर्मचारी योगेश यदु को अपने व्यवहार के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी होगी।शासकीय उपक्रम के पार्लरों के लिए एक उचित नीति का निर्धारण किया जाए ताकि विक्रेताओं का रोजगार सुरक्षित रहे।प्रदेश अध्यक्ष का बयानः > ÷एक तरफ सरकार स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही है, वहीं दूसरी तरफ निगम प्रशासन शासन के ही उपक्रम को निशाना बना रहा है। ऊपर से निगम के कर्मचारी निर्वाचित प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों से अभद्रता कर रहे हैं, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कुंवरगढ़ महोत्सव में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की शानदार झलक

रायपुर/धरसींवा/आरंग। ऐतिहासिक कुंवरगढ़ महोत्सव के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ी लोक कला, संगीत एवं हास्य का भव्य संगम देखने को मिला। इस अवसर पर कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री माननीय श्री गुरु खुशवंत साहेब जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा और भी बढ़ा दी। मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराएं हमारी पहचान हैं, जिन्हें संरक्षित एवं प्रोत्साहित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय कलाकारों को मंच मिलता है और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रसिद्ध गायक विवेक शर्मा की ऊर्जावान प्रस्तुति से हुई, जिसने दर्शकों में उत्साह का संचार किया। इसके पश्चात लोक गायिका गरिमा दिवाकर ने भक्ति एवं लोक संगीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। उभरती कलाकार चम्पा निषाद ने भी अपने मधुर गीतों से दर्शकों का दिल जीत लिया। सांस्कृतिक संध्या में हास्य कलाकार पप्पू चंद्राकर ने अपने चुटीले अंदाज से दर्शकों को खूब गुदगुदाया और कार्यक्रम में विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राज्य सरकार कलाकारों के सर्वांगीण विकास एवं प्रोत्साहन के लिए निरंतर प्रयासरत है।

तारामण्डल उद्यान में अवैध कब्जे का मामला

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नेहरू नगर स्थित योगा उद्यान में असामाजिक तत्वों द्वारा मूर्ति स्थापना कर अवैध कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है। नगर पालिक निगम भिलाई को सूचना मिलते ही जोन-1 आयुक्त, राजस्व विभाग एवं बेदखली की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थल निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि हनुमान जयंती पर्व के एक दिन पूर्व रात के समय असामाजिक तत्वों ने रेलिंग को तोड़कर पूर्व निर्मित शेड पर एक चबूतरा निर्माण कर मूर्ति स्थापित कर दिया गया है।

इसके अलावा उद्यान परिसर में स्थित जिम, तारामण्डल एवं योगा स्थल की रेलिंग को भी क्षतिग्रस्त कर काट दिया गया है। निगम अधिकारियों द्वारा मौके पर पंचनामा तैयार किया गया है तथा पूरे घटनाक्रम की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए निगम प्रशासन द्वारा सुपेला थाना में असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्राथमिक सूचना दर्ज कराते हुए आगे की कार्यवाही करने पत्र भी दिया गया है। निगम ने आम नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

अकलतरा में चौथी लाइन कनेक्टिविटी ट्रेनों का विस्तार

रायपुर/बिलासपुर । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल अंतर्गत अकलतरा स्टेशन पर चौथी लाइन कनेक्टिविटी हेतु किए जा रहे नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पूर्व में निरस्त एवं आंशिक रूप से निरस्त की गई यात्री ट्रेनों को अब रिस्टोर किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्न विभिन्न पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन पुनः प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। यह बहाली निर्धारित अवधि के दौरान चरणबद्ध रूप से की गई है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड, दुर्ग
आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि परियोजना संभाग, छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमि., दुर्ग के अन्तर्गत 33 के.व्ही. फीडर 132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र–लिटिया से 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र– लिटिया, हिर्री, खेरझिटी व बोरी हेतु विस्तार कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जिसे दिनांक 03.04.2026 को या उसके पश्चात् कभी भी उर्जीकृत किया जा सकता है, अतः लाईनों में लगे हुए खंभे, स्टे एवं तार आदि पर चढ़ने अथवा छूने का प्रयास न करें, इससे घातक दुर्घटना हो सकती हैं, जिसके लिए छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि. उत्तरदायी नहीं होगा।
विवरण इस प्रकार हैं :–

कमांक	11 के.व्ही. फीडर का नाम	प्रभावित स्थलों/ग्रामों का नाम
1.	132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र–लिटिया से 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र– लिटिया, हिर्री, खेरझिटी व बोरी हेतु कुल लंबाई–1.950 कि.मी.	लिटिया

विद्युत की बचत कीजिए

(डी. के. भारती)
(9370387)
कार्यपालन अभियंता (परियोजना)
संभाग, छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि.,दुर्ग

SAMVAD - 47366/3

दंतेवाड़ा कांग्रेस अध्यक्ष का इस्तीफा कांग्रेस के अंतर्कलह का प्रमाण :किरण

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता डॉ किरण बघेल ने कांग्रेस पार्टी में चल रही अंतर्कलह पर कहा कि कांग्रेस पार्टी अलग अलग गुटों में बट चुकी है। जो पीसीसी चीफदीपक बैज से सम्हल नहीं रही है। उन्होंने कहा कि दंतेवाड़ा जिले के कांग्रेस अध्यक्ष सलीम रजा उस्मानी ने अपने पद से आज इस्तीफा देकर इसे प्रमाणित कर दिया है । उन्होंने कहा कि यह कोई पहला अवसर नहीं जब दंतेवाड़ा कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा इस्तीफा दिया गया इसके पूर्व भी सूरजपुर, बलरामपुर जिले के कांग्रेस पदाधिकारी ने गुटबाजी के चलते इस्तीफा दे दिया था। इसके साथ ही महासमुंद जिले में भी कांग्रेस में लगातार लड़ाई देखने को मिली है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ किरण बघेल ने कहा है कांग्रेस पार्टी सरकार में रहते हुए हमेशा अपने कार्यकर्ताओं की अनदेखा करती रही। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तो अपने कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल भी कह दिया था। कांग्रेस पार्टी में पूर्व भूपेश बघेल और पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की लड़ाई कांग्रेस की आला कमान तक पहुंच गई थी। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट रूप से विचारधारा की भिन्नता के कारण ही है। जहां भाजपा कार्यकर्ता आधारित दल है और यहां हर कार्यकर्ता पार्टी के निर्णयों का अभिन्न अंग होता है वहीं इसके विपरीत कांग्रेस नेता आधारित पार्टी है जो अंतर्कलह का मुख्य कारक है। कांग्रेस में नेताओं की गुटबाजी इस कदर हावी है कि जिला अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद से भी लोगों का मोह भंग हो चुका है और कांग्रेस में लगातार इस्तीफें का दौर जारी है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./29836/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 02-04-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 29836
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR739E01103 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती TULSI RATNANI पिता/पति, श्री/श्रीमती CHOITHRAM RATNANI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती सेजल मेघानी पिता/पति, श्री/श्रीमती राकेश मेघानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार भिंभौरी, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)
// ईश्तहार//
रा.प्र.क्र. /अ-74/वर्ष 2025-26
क्रमांक/2989/वा.तह./2026 भिंभौरी, दिनांक 02.04.2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कार्यालय महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बेमेतरा का पत्र क्र/GENS-11/105142/2026 GM BMT ESTT SEC बेमेतरा दिनांक 23.03.2026 द्वारा औद्योगिक प्रयोजन हेतु ग्राम सिंगारडीह प.ह.नं.14 तहसील भिंभौरी, जिला बेमेतरा स्थित शासकीय भूमि ख.नं. 97/1 कुल रकबा 31.11 हे. में से 11.25 हे. भूमि मांग हेतु प्रकरण इस कार्यालय को प्राप्त हुआ है। तत्संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो वह स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेशी दिनांक 15.04.2026 के पूर्व पेश कर सकते है। आज दिनांक 02.04.2026 को मेरे स्वतः के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा सहित जारी किया गया है।
तहसीलदार
भिंभौरी, जिला-बेमेतरा

कार्यालय जोन क्रमांक-3 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
:: निविदा आमंत्रण सूचना:

क्रमाक 02/न.पा.नि./ जोन-03/2026-27 रायपुर, दिनांक 01.04.2026

मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रित की जाती है
01. निविदा प्रपत्र हेतु आवदेन तिथि - 16.04.2026 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
02. निविदा प्राप्त करने की तिथि - 17.04.2026 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
03. निविदा जमा करने की तिथि - 22.04.2026 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
04. निविदा खोलने की तिथि - 23.04.2026 कार्यालयीन समय 12:00 बजे तक

कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का नाम	आगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	प्रपत्र एवं एस. ओ. आर. का विवरण	समया वधि	मद
01	कालीमाता वार्ड क्र. 12 अंतर्गत माता गैरेज के पीछे नाली निर्माण कार्य। (600 मीटर)	4.79	5000/-	750/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी डब्ल्यू डी भवन दिनांक 01.01. 2015 संशोधित एस.ओ.आर)	03 माह	अधोसंरचना विकास एवं उपकर निधि
02	मदर टेरेसा वार्ड क्र. 47 अंतर्गत सरदार प्रीतम सिंह सैनी स्कूल में आवश्यक मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य।	6.70	7000/-	750/-	'डी' एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी डब्ल्यू डी भवन दिनांक 01.01. 2015 संशोधित एस.ओ.आर)	03 माह	अधोसंरचना विकास एवं उपकर निधि

1. निविदा के दस्तावेज रजिस्टर्ड पोस्ट / स्पीड के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा।
2. कार्य से संबंधित अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन दिवस में जोन क्रमांक 03 नगर पालिक निगम, रायपुर कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
3. निविदा जमा करने की तिथि एवं खोलने के तिथि में किसी वजह से अवकाश घोषित होता है तो वह कार्यालयीन दिवस में किया जावेगा।
4. कार्यालय में निर्धारित समय एवं तिथि के पश्चात् विलम्ब से प्राप्त होने वाले निविदाओं में कोई विचार नहीं किया जावेगा।
5. शासकीय अवकाश या आकस्मिक अवकाश की स्थिति में तिथि व समय में परिवर्तन का अधिकार जोन आयुक्त के पास सुरक्षित होगा।
6. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार नगर निगम रायपुर के पास सुरक्षित है।
7. संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की ई-मेल आई.डी. datacenter.uad.cg@nic.in आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।
8. उक्त निविदा नगर पालिक निगम, रायपुर के वेबसाईट nagarnigamraipur.nic.in में देखी जा सकती है।

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देंवें

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-03
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./29835/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 02-04-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 29835
वार्ड का नाम-44-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR739E01102 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती AJAY KUMAR KHATWANI H.U.F. KARTA-AJAY KUMAR KHATWANI S/O PRAKASH CHAND KHANTWANI पिता/पति, श्री/श्रीमती N/A के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती सेजल मेघानी पिता/पति, श्री/श्रीमती राकेश मेघानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

भवन का सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत बोरियाकला रायपुर में निर्मित भवन क्रमांक सेडार-II/55, श्री विनोद कुमार भीमटे पिता श्री ज्ञानी राम भीमटे, के नाम पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 31.05.2012 को लीजडीड पंजीकृत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। आबंटी श्री विनोद कुमार भीमटे पिता श्री ज्ञानी राम भीमटे, द्वारा दिनांक 12.01.2023 को हस्तांतरण विलेख (फ्री-होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत श्री विनोद कुमार भीमटे पिता श्री ज्ञानी राम भीमटे, द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्री शांतनु पटेल पिता श्री अनिल कुमार पटेल, निवासी-सेडार-147, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी बोरियाकला रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक 17.03.2026 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में नवीन क्रेता श्री शांतनु पटेल पिता श्री अनिल कुमार पटेल, द्वारा उक्त भवन को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर मण्डल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं।

अतः उक्त भवन का फ्री-होल्ड उपरांत मण्डल अभिलेख में नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।
सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर कालोनी, रायपुर में निर्मित एल. आई. जी. फ्लैट भवन योजना के अतंर्गत, भवनों में से भवन क्रमांक एल.आई.जी. फ्लैट 1/4, भू-तल सुश्री सुमन अग्रवाल पिता राजेश अग्रवाल को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 13-06-25 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 1-4-26 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन श्रीमती ज्योति साहू पति श्री सचिन साहू के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।
सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर कालोनी, रायपुर में निर्मित एम. आई. जी. डीलक्स भवन योजना के अतंर्गत, भवनों में से भवन क्रमांक एम.आई.जी. डीलक्स - 247, श्री अनिल आगरकर पिता श्री स्व. जी. एच. आगरकर को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक ..... को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 1-8-2013 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन श्री शिव कुमार दुबे पिता स्व. जगन्नाथ दुबे के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।
सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /29944/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 02-04-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 29944
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR568D0014A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SNEH PRABHA SHARMA पिता/पति, श्री/श्रीमती ISHWARI SHARMA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती ISHWARI PRASAD SHARMA D/O GAINDLAL SHARMA पिता/पति, श्री/श्रीमती 2. SOUBHAGYA SHARMA D/O ISHWARI PRASAD SHARMA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /29946/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 02-04-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 29946
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR568F0436A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती DASRATH SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती BABULAL SAHU के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SANTOSH KUMAR SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती BABURAM SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ ...... / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./29956/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 02-04-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 29956
वार्ड का नाम- 27-इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-RPR737A0267A जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती GEETA SONI पिता/पति, श्री/श्रीमती NAROTTAM SONI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती श्री उज्जवल चौरसिया पिता/पति, श्री/श्रीमती श्री संतोष चौरसिया ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./29935/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 02-04-2026

इशितहार

नामांतरण प्र.क्र. 29935
वार्ड का नाम- 27-इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-RPR737G0170A जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती PAWAN KAKKAD पिता/पति, श्री/श्रीमती ASHOK KAKKAD के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती श्री अशोक कक्कड़ पिता/पति, श्री/श्रीमती स्व. श्री गिरधारी लाल कक्कड़ ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, शुक्रवार 03 अप्रैल 2026

सनातन धर्म को गौरवान्वित करने वाला 105 फिट ऊंचे श्री राम टावर का मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बटन दबाकर किया शुभारंभ

श्री हनुमान चालीसा पाठ का श्रीराम टावर से भक्तों ने किया शंखनाद

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल दुर्गा वाहिनी का बहु प्रतीक्षित किया 105 फुट ऊंचा श्री राम टॉवर का मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सपरिवार पहुंच कर किया शुभारंभ ।

जानकारी के अनुसार विश्व हिन्दू परिषद , बजरंग दल व दुर्गा वाहिनी विश्रामपुर के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा अयोध्या में पवित्र श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा दिवस के बाद पिछले 22 जनवरी को हिन्दू समाज के प्रतिष्ठित धर्म प्रेमी बंधु बांधव के साथ मिल कर समाज के सहयोग से कोयलांचल क्षेत्र विश्रामपुर के अम्बेडकर चौक श्री हनुमान मंदिर के पास लगभग 105 फीट ऊंचा धर्म ध्वज श्री राम टावर का भूमि पूजन किया था संगठन के पदाधिकारीयों ने इस संबंध में बताया कि सर्व समाज के सहयोग से बना इस टावर के माध्यम से क्षेत्र में सुबह - शाम श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा।। जिसका विधिवत भूमि पूजन किया गया था।कार्यक्रम में विश्व हिन्दू परिषद जिला सूरजपुर के जिला मंत्री दिनेश साहू, समाज के विभिन्न संगठनों से जुड़े मंत्री सचिव ठाकुर राजवाड़े सहित बजरंग दल विभाग सह संयोजक प्रहलाद निषाद, दुर्गा वाहिनी विभाग संयोजिका रचना सिंह, बजरंग दल जिला संयोजक अनुज साहू, दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका शशि रजवाड़े सहित अशोक दुबे महाराज, जिला, प्रखंड व नगर के बजरंग दल , गिरिजा शंकर कसेर, सत्येंद्र भारती, भागीरथी निषाद, पवन गुप्ता, रंजीत यादव, रोहित पासवान, नीरज रजवाड़े, आशीष रजवाड़े, अर्जुन सिंह, आदित्य, मोनू गिरी, अजय भारती, वंश, पाठक साहब, एवं दुर्गा वाहिनी की अंजली राजवाड़े, शालिनी देवांगन, करिश्मा, राजवाड़े, सरिता राजवाड़े, सुषमा देवांगन, अनुष्का यादव, शुरूती देवांगन, अचला, जिया, पूजा सख्य, ज्योति, अनुष्का, तपेश्वरी राजवाड़े, फुलबसिया राजवाड़े, कुशुम यादव, बीना बर्मन, बबीता सिंह आदि जिला प्रखंड नगर पदाधिकारी सहित सनातन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे तब से सनातन धर्मी से जुड़े जागरूक युवाओं द्वारा कार्य में जुटे रहे जिसका आज महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने विधिवत बटन दबाकर श्री राम टावर का शुभारंभ किया।

वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच श्रीराम टावर का हुआ शुभारंभ- बिश्रामपुर के अंबेडकर चौक एवं मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के समीप स्थापित श्री राम टावर का पंडित साहब पाठक एवं हनुमान मंदिर के पुजारी श्री रामदास जी द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ श्री राम टावर का विधिवत पूजा अर्चना करके किया गया इस दौरान सैकड़ो श्री राम श्री राम श्री हनुमान भक्तों ने विभिन्न प्रकार की पुष्प अक्षत फ्ल से श्री बजरंगबली का पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया इस अवसर पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सहित ठाकुर राजवाड़े, श्रीराम टावर निर्माण करता सरदार मंजीत सिंह भामरा , रितेश जायसवाल , समीर सिंह संजू सिंह ओम प्रकाश राजेंद्र ठाकुर,शिव कार्तिक राजवाड़े ,विनोद शाह ओमी , वंदना चौरसिया, मीना सिंह, अंजलि राजवाड़े, श्रीमती अनीता सिंह ,जायसवाल सहित शुरुआती दौर से लगे दुर्गा वाहिनी बजरंग दल के सभी कार्यकर्ता कार्यकर्ताओं की गरिमामय उपस्थित आज भी रही।

बिश्रामपुर के मुख्य हृदय स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में भव्य भंडारा एवं भजन कीर्तन का आयोजन- बिश्रामपुर बस स्टैंड स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में श्री हनुमान जयंती के अवसर पर दो दिन पूर्व से श्री रामचरितमाना गायन का आयोजन किया गया अखंड पाठ के पूर्णाहुति के पश्चात मंदिर परिसर में प्रति वर्ष अनुसार भव्य भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें हजारों श्रद्धालु सम्मिलित होकर भगवान बजरंगबली का प्रसाद ग्रहण किया जानकारी के अनुसार दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर परिसर में राम जानकी मंदिर श्री पारद शिवलिंग एवं दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर जी का आकर्षक प्रतिमा स्थापित है मंदिर परिसर में श्री राम जानकी परिवार भी स्थापित है आज श्री हनुमान जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति प्रात: काल से ही भाव भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। मंदिर समिति के संयोजक एवं धार्मिक कार्यकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष गोयल अध्यक्ष विजय गोयल सहित कृष्ण कुमार अग्रवाल दिनेश गोयल शैलेश सिंह शशि नन्हू सुशील जैन राजेश जैन, सुरेश चंदेल आदि लग रहे मंदिर में पंडित गर्ग जी महाराज द्वारा भक्तजनों द्वारा सहस्त्रवाचन लड्डू विभिन्न प्रकार के फ्लों द्वारा कराया मंदिर की देखभाल करने वाले मुख्य पुजारी भोला जी महाराज सहित विभिन्न सहयोगी सोनू महाराज के साथ दर्जन भर पंडित लग रहे।

राष्ट्र नवनिर्माण हेतु नीति बनाने पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के नवनियुक्त पदाधिकारीयो ने जिला अध्यक्ष से मुलाकात कर योजना बनाई

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) सूरजपुर जिला में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी से सौजन्य भेंट कर संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, पार्टी के विस्तार तथा राष्ट्रहित में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को लेकर विस्तृत एवं सार्थक विचार-विमर्श किया।

उक्त बैठक संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रही,जिसमें भविष्य की कार्ययोजना एवं जनसंपर्क विस्तार पर गंभीरता से चर्चा की गई।

इस अवसर पर पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ, भाजपा छत्तीसगढ़ जिला सूरजपुर के संयोजक आशीष गुप्ता ,सह संयोजक आलोक सिंह ,सह संयोजक भुनेश्वर यादव,गया प्रसाद,अशोक साहू, श्याम लाल राजवाड़े, अमित मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

जिला भाजपा अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पूर्व सैनिकों का जीवन अनुशासन, समर्पण, साहस और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक होता है, और यही गुण संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के माध्यम से संगठन की जड़ों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा तथा पार्टी की विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा।

बैठक के दौरान संगठन के विस्तार को लेकर विशेष रणनीति पर विचार किया गया, जिसमें यह तय किया गया कि गांव-गांव, वार्ड-वार्ड एवं बूथ स्तर तक पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही युवाओं को राष्ट्रसेवा, सेना भर्ती, अनुशासन एवं सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें एक सशक्त एवं सकारात्मक दिशा प्रदान करने का संकल्प लिया गया।

ककनार घाटी के नीचे थमा लाल आतंक का शोर

अब गूंजती है बस की हॉर्न

जगदलपुर/विश्व परिवार। बस्तर की भौगोलिक विषमताओं और कठिन परिस्थितियों के बीच विकास की एक ऐसी नई इबारत लिखी गई है, जिसकी कल्पना कुछ साल पहले तक नामुमकिन थी। ककनार घाटी के नीचे बसे सुदूर गांव कुधूर, धरमाबेड़ा, चंदेला, ककनार और पालम जो कभी वामपंथी आतंक के गढ़ माने जाते थे, आज मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा के माध्यम से मुख्यधारा से जुड़ गए हैं। इन गांवों के निवासियों के लिए पक्की सड़क का निर्माण एक ऐसा सपना था, जिसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था, क्योंकि घाटी की दुर्गम ढलान और माओवाद के साये ने विकास के हर रास्ते को अवरुद्ध कर रखा था। लेकिन आज उन्हीं संकरी पगडंडियों और चुनौतीपूर्ण रास्तों पर बनी नई सड़क में बस का दौड़ना बस्तर की बदलती तस्वीर का सबसे सशक्त प्रमाण है। ज्ञात हो कि बस्तर जिले में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना की शुरूआत बीते 04 अक्टूबर 2025 को केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा की गई थी। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के माध्यम से जिले के चार चयनित मार्गों पर बस सेवा संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत शुरू हुई यह बस सेवा केवल एक वाहन नहीं, बल्कि विश्वास और विकास की एक कड़ी है। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार रायपुर द्वारा स्वीकृत समय-सारणी के अनुसार यह बस प्रतिदिन कोण्डागांव जिले के मर्दापाल से अपनी यात्रा शुरू करती है और ककनार घाटी के नीचे बसे उन गांवों को जोड़ती है जहाँ कभी पैदल चलना भी जोखिम भरा था। घाटी के इन दुर्गम अंचलों से होते हुए बस धरमाबेड़ा और ककनार जैसे पड़ावों को पार कर संभाग मुख्यालय जगदलपुर पहुँचती है। इससे उन लोगों का सफ्र अब सुगम हो गया है जिन्होंने दशकों तक केवल सड़क और बस का इंतजार किया था। वामपंथी समस्या के कमजोर पड़ने और सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के चलते अब इन संवेदनशील इलाकों में सड़कों का निर्माण संभव हो पाया है। पक्की सड़कों के इस जाल ने न केवल परिवहन को आसान बनाया है, बल्कि ककनार घाटी के नीचे बसे ग्रामीणों के मन से अलगाव का डर भी खत्म कर दिया है। अब शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के लिए ग्रामीणों को मीलों का सफ्र तय नहीं करना पड़ता। यह निरंतर बस सेवा इस बात का प्रतीक है कि बस्तर का वह हिस्सा जो कभी अंधेरे में खोया हुआ माना जाता था, अब पूरी रफ्तार के साथ प्रगति की राह पर अग्रसर है। घाटी की ऊंचाइयों से उतरकर यह बस आज हर ग्रामीण के घर तक शासन की योजनाओं और खुशहाली का संदेश पहुँचा रही है। इस बारे में चंदेला के सरपंच श्री तुलाराम नाग कहते हैं कि करीब दो साल पहले तक इस ईलाके में माओवादी समस्या के कारण विकास थम सी गई थी लेकिन आज सड़क बन जाने के साथ ही विकास को एक नई दिशा मिल चुकी है। इस ईलाके में स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र की सेवाओं के साथ ही उचित मूल्य दुकान में खाद्यान्न एवं अन्य जरूरी सामग्री सुलभ हो रही है वहीं समीपस्थ ग्राम ककनार में साप्ताहिक बाजार की रौनक देखते ही बनती है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स : हाई जंप में ओडिशा और 800 मीटर दौड़ में छत्तीसगढ़ की धाक

जगदलपुर/विश्व परिवार। बस्तर के हृदय स्थल जगदलपुर स्थित धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में आयोजित प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के एथलेटिक्स ट्रैक पर बुधवार को रोमांच की नई इबारत लिखी गई, जहाँ मेजबान छत्तीसगढ़ की प्रतिभाओं ने भी राष्ट्रीय मंच पर अपनी धमक दिखाते हुए प्रदेश का मान बढ़ाया। 30 मार्च से शुरू हुए इस ऐतिहासिक खेल महाकुंभ में छत्तीसगढ़ के होनहार खिलाड़ी गजेंद्र ठाकुर ने पुरुष वर्ग की 800 मीटर दौड़ के बेहद कड़े और रोमांचक मुकाबले में अपनी रफ्तार का लोहा मनवाया। स्वर्ण पदक के लिए ओडिशा के धावक दयानिधि मुंडा के साथ अंतिम क्षणों तक चली इस कांटे की टक्कर में गजेंद्र ठाकुर ने 1:53.82 का शानदार समय निकालकर रजत पदक अपने नाम किया और बस्तर की धरती पर छत्तीसगढ़ की झोली में उपलब्धि डाल दी।

मैदान पर उत्साह का यह सिलसिला अन्य स्पर्धाओं में भी निरंतर जारी रहा, जहाँ देश के विभिन्न कोनों से आए एथलीटों के बीच पदक जीतने की जबरदस्त होड़ देखने को मिली। पुरुषों की 10,000 मीटर पैदल चाल में कर्नाटक के दशरथ निंगप्पा तलवर ने 45:13.85 मिनट के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके साथी दर्शन भरमप्पा बगड़ी ने रजत और गुजरात के सागरभाई रमेशभाई कटारा ने कांस्य पदक हासिल किया। इसी स्पर्धा के महिला वर्ग में झारखंड की नेहा खलको ने 1 घंटा 04 मिनट और 02.46 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, वहीं ओडिशा की एलीश एक्का को रजत और मेघालय की बेथलीन ग्रेस मात्री को कांस्य पदक मिला। बाधा दौड़ की चुनौतियों के बीच भी एथलीटों का कौशल देखते ही बनता था, जहाँ पुरुष 400 मीटर बाधा दौड़ में ओडिशा के रोशन खड़िया और महिला वर्ग में झारखंड की शिवानी कुमारी ने अपनी अविश्वसनीय रफ्तार के दम पर स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

सिंथेटिक ट्रैक के साथ-साथ फील्ड इवेंट्स में भी जनजातीय बेटियों ने अपनी असाधारण प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महिला भाला फेंक स्पर्धा में ओडिशा की धनमती खेस ने 44.79 मीटर की दूरी तय कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं झारखंड की सबीता मुर्मू ने रजत और गुजरात की गमित अपिक्षा ने कांस्य पदक जीतकर अपने राज्यों का गौरव बढ़ाया। महिलाओं की 800 मीटर दौड़ में कर्नाटक की नागिनी ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। बस्तर के आधुनिक क्रीड़ा परिसर में आयोजित यह गौरवशाली आयोजन न केवल मेजबान छत्तीसगढ़ की खेल क्षमताओं को उजागर कर रहा है, बल्कि सुदूर जनजातीय अंचलों की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मुख्यधारा से जोड़कर भारतीय खेलों के स्वर्णिम भविष्य की एक ऊर्जावान तस्वीर भी पेश कर रहा है।

महिला ऊंची कूद स्पर्धा ने रोमांच की सारी हदें पार कर दीं। सिंथेटिक ट्रैक पर सुबह से जारी गहमागहमी के बीच जब ऊंची कूद का मुकाबला शुरू हुआ, तो दर्शकों की सांसें थम गईं। स्वर्ण पदक के लिए ओडिशा की दीपा किसान और असम की काहिमा बासुमतारी के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। दोनों ही प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने मैदान पर अपनी असाधारण खेल प्रतिभा और जुझारूपन का परिचय देते हुए 1.45 मीटर की ऊंचाई सफ्लतापूर्वक पार कर ली।

स्टेडियम में मौजूद खेल प्रेमियों और प्रशिक्षकों के बीच उत्साह तब चरम पर पहुँच गया जब दोनों एथलीट समान ऊंचाई पर अटकी रहीं। अंततः विजेता का फैसला तकनीकी आधार पर किया गया। कम प्रयासों में इस कठिन लक्ष्य को हासिल करने के कारण ओडिशा की दीपा किसान को प्रथम घोषित किया गया, और उन्होंने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमा कर अपनी टीम को गौरवान्वित किया। वहीं शानदार प्रदर्शन करने वाली असम की काहिमा बासुमतारी को बेहद मामूली अंतर से रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस स्पर्धा में ओडिशा का दबदबा यहीं नहीं थमा और राज्य की एक अन्य खिलाड़ी कबीता तादिंगी ने 1.43 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

संक्षिप्त समाचार

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने वित्त वर्ष 2026 में 63.69 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

नईदिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्रा. लि. (HMSI) ने मार्च 2026 में कुल 5,49,145 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो मार्च 2025 के मुकाबले 29त्न की मजबूत वृद्धि दर्शाती है। इस अवधि में 5,12,303 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 36,842 यूनिट्स का निर्यात शामिल है। मार्च के इस प्रदर्शन ने एचएमएसआई को वित्त वर्ष 2026 (अप्रैल 2025 - मार्च 2026) को मजबूत स्तर पर समाप्त करने में मदद की। कंपनी ने कुल 63,69,504 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जिसमें 57,49,275 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 6,20,229 यूनिट्स का निर्यात शामिल है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की तुलना में वित्त वर्ष 2026 में 9त्न की वृद्धि दर्ज की, जो ग्राहकों की लगातार मांग, बेहतर होते बाजार माहौल और प्रमुख सेगमेंट्स में अपनी मौजूदगी मजबूत करने पर एचएमएसआई के निरंतर फोकस को दर्शाता है। यह वर्ष घरेलू और निर्यात बाजारों में संतुलित प्रदर्शन का गवाह रहा, जिसे मजबूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और गुणवत्ता, विश्वसनीयता तथा ग्राहक संतुष्टि पर निरंतर फोकस का समर्थन मिला। एचएमएसआई अपने 7000 से अधिक टचपॉइंट्स के माध्यम से ग्राहकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने वाले उत्पाद और सेवाएं प्रदान करते हुए अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने Q1 CY26 में हासिल की 10 लाख से अधिक एसी की बिक्री - कंपनी के मार्केट लीडरशिप को मिली मजबूती

नई दिल्ली: एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया (एलजीई इंडिया) ने आज 2026 की पहली तिमाही में 10 लाख से अधिक एयर कंडीशनर की बिक्री की घोषणा की। यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारत में कंपनी के इतिहास में गर्मी के मौसम की सबसे तेज़ और सबसे मजबूत शुरुआत है। यह माइलस्टोन न केवल एलजीई इंडिया की काम करने की बेहतरीन क्षमता औरसप्लाई चेन की तेज़ी को दिखाती है, बल्कि भारत के तेज़ी से बढ़ते और कड़े मुकाबले वाले एयर कंडीशनर बाज़ार में एक मज़बूत लीडर के रूप में इसकी स्थिति को भी मजबूत करता है। इस उपलब्धि का एक मुख्य चालक सीजन से काफी पहले अपने नए बीईई (BEE) स्टार-रेटेड अनुपालन वाले एसी लाइन-अप को लॉन्च करने के संबंध में एलजीई इंडिया का फर्स्ट-मूवर लाभ था, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि खुदरा भागीदार और ग्राहक बिना किसी बाधा के बेहतर, ऊर्जा-कुशल उत्पादों को सहजता से अपना सकें। इसके पूरक के रूप में, आईसीसी विश्व कप के दौरान एलजीई इंडिया के मार्केटिंग अभियान ने बड़े पैमाने पर शानदार पहुंच और उपभोक्ता जुड़ाव भी प्रदान किया, जिससे अभूतपूर्व ब्रांड प्रमुखता और खरीदारी की इच्छा बढ़ी। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बात करते हुए, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री होंग जू जियोन ने कहा, एक ही तिमाही में 10 लाख एसी की बिक्री का आंकड़ा पार करना केवल एक व्यावसायिक माइलस्टोन नहीं है - यह उस भरोसे का एक शक्तिशाली प्रमाण है जो लाखोंग्राहक हर दिन एलजी पर रखते हैं।

डेटॉल ने लॉन्च किया नया कैंपेन, मां की सुरक्षा की भावना को किया सेलिब्रेट, देखभाल के हर मौके पर डेटॉल की अहम भूमिका को करता है मजबूत

नईदिल्ली। डेटॉल, भारत का प्रमुख जर्म प्रोटेक्शन ब्रांड, अपने आइकॉनिक डेटॉल एंटीसेप्टिक लिक्विड के लिए एक नया भावनात्मक कैंपेन लेकर आया है। यह कैंपेन भावनाओं पर आधारित कहानी के जरिए परिवारों के साथ ब्रांड के जुड़ाव को मजबूत करता है और इसकी बेजोड़ सुरक्षा को उजागर करता है। मां की सहज देखभाल की भावना पर आधारित यह कैंपेन एक सरल संदेश देता है: मां और डेटॉल जैसी सुरक्षा कोई नहीं देता। कई पीढ़ियों से डेटॉल सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं, बल्कि मुश्किल समय में भरोसेमंद साथी रहा है। नई फिल्म इसी भावना को एक शादी के घर की चहल-पहल भरे माहौल में एक कोमल पल के जरिए दिखाती है। जश्न के बीच एक छोटा लड़का खुद को चोट लगने के बाद भी उसे सबसे छिपा लेता है और बहादुरी दिखाने की कोशिश करता है। लेकिन जैसे ही वह अपनी मां के पास पहुंचता है, मां तुरंत महसूस कर लेती है कि कुछ ठीक नहीं है। जब वह डेटॉल एंटीसेप्टिक लिक्विड से उसकी चोट साफकरती है, तो लड़का अपनी झिझक छोड़ देता है और उसका दर्द सामने आ जाता है। इसके बाद एक भावुक पल आता है, जहां भूमिकाएं बदल जाती हैं और वही बच्चा अपनी मां को सांत्वना देता है। फिल्म का अंत इस संदेश के साथ होता है: अपनों की सुरक्षा का मजबूत सहारा। यह दिखाता है कि डेटॉल आज भी भारतीय घरों में मांओं के साथ खड़ा है।

संपादकीय

अतार्किक एवं दुर्भावना से प्रेरित

जिस दौर में ये शिकायत पहले से है कि कुछ कानूनी एवं अन्य विवादित मसलों का इस्तेमाल व्यापार एवं विदेश नीति में भारत सरकार को झुकाने के लिए किया गया है, ताजा रिपोर्ट डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का एक और हथियार बन सकती है। अमेरिका का अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) वैसे तो पिछले कई वर्ष भारत को 'विशेष चिंता की श्रेणी वाले देशों' की सूची में डालने की सिफारिश करता रहा है, लेकिन इस वर्ष वह कुछ ज्यादा आगे बढ़ गया है। उसने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ-साथ भारत की बाहरी खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) पर भी प्रतिबंध लगाने की सिपारिश कर दी है। अनुमान लगाया जा सकता है कि पहले की तरह ही इस वर्ष भी अमेरिका सरकार इस सिफारिश को नजरअंदाज कर देगी। इसके बावजूद भारत को अमेरिका में उभरे ऐसे रुझानों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसलिए कि अमेरिका में प्रशासन चाहे किसी पार्टी का हो, ऐसी रिपोर्टों का इस्तेमाल वह अपने रणनीतिक एवं अन्य हितों को साधने के लिए करता है। धार्मिक स्वतंत्रता, लोकतंत्र, मानव अधिकार आदि जैसे ऊंचे आदर्श अमेरिका के लिए डंडे की तरह हैं, जिनका उपयोग वह अपने मन-माफिक ना चलने वाले देशों पर दबाव बनाने के लिए करता आया है। इस रूप में यूएससीआईआरएफ जैसी उसकी संस्थाएं एक ऐसा हथकंडा हैं, जो दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में दखल के लिए अपनी सरकार को उसूल का आवरण प्रदान करती हैं। जिस दौर में ये शिकायत पहले से है कि कुछ कानूनी एवं अन्य विवादित मसलों का इस्तेमाल व्यापार एवं विदेश नीति में भारत सरकार को झुकाने के लिए किया गया है, ताजा रिपोर्ट डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का एक और हथियार बन सकती है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने रिपोर्ट को पूर्वाग्रह-ग्रस्त और तथ्यात्मक रूप से गलत बताया है, मगर यह विरोध की रस्म-अदायगी भर है। भारतीय हितों के लिहाज से रॉ को विवाद में लाने के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसलिए इस बारे में भारत को अमेरिका के सामने औपचारिक विरोध दर्ज कराना चाहिए। यह कहने का तात्पर्य ये नहीं है कि जिन संगठनों को यूएससीआईआरएफ को निशाना बनाया है, उसके साथ कोई समस्या नहीं है। मगर जो भी है, वह भारत के अंदर की बात है। वह भारत सरकार के सामने मौजूद मुद्दा है। इसका समाधान यहीं निकलेगा। अतः अमेरिकी संस्थाओं का भारत पर प्रतिबंध की बात करना अतार्किक एवं दुर्भावना से प्रेरित माना जाएगा।

जनजातीय खेल प्रतिभा: हमारा राष्ट्रीय गौरव

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु-भारत की राष्ट्रपति

मैंने देखा है कि ग्रामीण क्षेत्रों और वनांचलों में, बच्चे घर के बाहर प्रकृति के सानिध्य में अधिक समय बिताते हैं। वे खेल-कूद के सहज तरीके खोज लेते हैं। वे मिट्टी में लकीरें खींचकर और आकृतियां बनाकर, खेलने की जगह तैयार कर लेते हैं। वे फलों के सूखे बीजों का खेल की गोटियों की तरह इस्तेमाल कर लेते हैं। सूखे पत्तों, पेड़ों की जड़ों और फटे-पुराने कपड़ों से गेंद बना लेते हैं। बांस का उपयोग करके हॉकी और फुटबाल के गोल-पोस्ट बना लेते हैं। इस प्रकार, अनेक प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग करके, वे अपने खेल-संसार की रचना कर लेते हैं। बहुत से बच्चे बिना जूते और जर्सी के पूरे जोश से खेलते रहते हैं। पोखरों-तालाबों में बच्चे खूब तैरते रहते हैं। तैराकी की इस सहज प्रतिभा को अब उपलब्ध प्रशिक्षण और संसाधनों की सहायता से विकसित करके, केवल 15 वर्ष की, जाजपुर की बेटी अंजलि मुंडा ने प्रथम 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' में पहले ही दिन तीन स्वर्ण-पदक जीत कर पूरे देश के युवाओं को प्रेरित किया। तीरंदाजी के प्रति जनजातीय लोगों में सहज तरंग सी होती है। संताल-समुदाय ने वर्ष 1855 में शोषण के विरुद्ध एक घनघोर संग्राम किया था जो 'संताल हूल' के नाम से अमर है। आधुनिक हथियारों से लैस ब्रिटिश सेनाओं ने उस क्रान्ति को दबा तो दिया लेकिन अपने विवरणों में अंग्रेजों ने संताल वीरों के युद्ध कौशल, खासकर तीरंदाजी का विशेष उल्लेख किया है। संताल-हूल का नेतृत्व करने वाले बहादुर भाइयों सिद्धो-कान्हू तथा चांद-भैरव एवं वीरांगना बहनों, फूलो-झानो की प्रतिमाओं का झारखंड में उनके गांव उरी-मारी में जाकर अनावरण करने का सौभाग्य मुझे तब मिला था जब मैं राज्यपाल थी। तीरंदाजी में एकलव्य की महानता से देश का बच्चा-बच्चा परिचित है। वे श्रेष्ठतम धनुर्धर के रूप में सम्मानित हैं। एकलव्य, सभी देशवासियों के लिए, विशेषकर जनजातीय समाज के लिए एक प्रेरक विभूति हैं। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में स्थापित 'खेल उत्कृष्टता केंद्र' बच्चों को

खेल-कूद की आधुनिक सुविधाओं और पद्धतियों से सक्षम बना रहे हैं। इसी प्रकार स्कूल-व्यवस्था के साथ-साथ अन्यत्र विद्यमान खेल-प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें प्रशिक्षित करने के कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। मेरे व्यक्तिगत प्रयासों से, मेरे गांव में वंचित वर्गों के बच्चों के लिए एक आवासीय स्कूल की स्थापना की गई है। इस विनम्र प्रयास के तहत स्कूल के परिसर में ही तीरंदाजी के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी कराई गई है। सरकार के प्रयासों के साथ-साथ छोटे-छोटे व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास भी जनजातीय बच्चों में निहित खेल-प्रतिभाओं को निखारने में सहायक होंगे। मेरे गांव के अन्य जनजातीय बच्चों की तरह, मुझमें भी तैराकी सहित, व्यायाम और खेलों के प्रति बहुत रुझान था। मैं स्कूल की खेल प्रतियोगिताओं में प्राय: प्रथम स्थान पर रहती थी। एक प्रतियोगिता में जानबूझकर मैंने अपने को इसलिए पीछे रखा ताकि मेरी एक सहेली को प्रथम पुरस्कार का आनंद मिल सके। खेल-कूद से टीम भावना विकसित होती है तथा सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं। मैदान पर कड़ी प्रतिस्पर्धा और मैदान के बाहर गहरी मित्रता, खिलाड़ियों में प्राय: देखने को मिलती है। मेरे भाई फुटबाल के बहुत अच्छे खिलाड़ी रहे हैं जो गंभीर चोट लगने के कारण आगे नहीं खेल सके। मेरे परिवार के कुछ अन्य सदस्यों ने भी विभिन्न खेलों में उत्कृष्टता प्रदर्शित की है। इस निजी विवरण से मैं यह बताना चाहती हूं कि जनजातीय परिवारों में खेल-कूद की जीवन्त परंपरा विद्यमान है। उनमें खेलों के लिए असीम प्रतिभा है, ऊर्जा है, रुचि है और आगे बढ़ने का हौसला भी है। सुविधाओं और प्रशिक्षण के द्वारा ऐसी प्रतिभाओं को निखारने से, खेल-कूद उनके लिए केवल मनोरंजन और सामाजिक मेल-जोल का जरिया न होकर जीवन में आगे बढ़ने का, आर्थिक आत्म-निर्भरता और सामाजिक सम्मान प्राप्त करने का माध्यम बन सकता है। इस संदर्भ में वर्ष 2018 से केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों तथा खेल- संस्थानों के साथ मिलकर चलाए जा रहे 'खेलो इंडिया' अभियान द्वारा अच्छा बदलाव आया है। कुछ वर्षों पहले तक हमारे देश में खेल-कूद की अच्छी सुविधाएं केवल महानगरों तक सीमित थीं जबकि ग्रामांचलों और वनांचलों में अनेक प्रतिभावान खिलाड़ी रहते हैं। जनजातीय क्षेत्रों में खेल-अकादमी और प्रशिक्षण सुविधाएं सुलभ नहीं होती थीं। अब एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में बच्चों के खेल-कूद पर विशेष ध्यान देने से लेकर 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल' जैसे प्रयत्नों के बल पर जनजातीय प्रतिभाओं को प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिल रहा है। मुझे याद है कि मेरे विद्यार्थी जीवन के दौरान ग्रामीण स्तर पर, पांच-छह गांवों के लोग मिलकर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित किया करते थे। कुछ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्थाएं भी जनजातीय क्षेत्रों में खेल-कूद को बढ़ावा देती रही हैं। प्राय: ग्रामीण क्षेत्र की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अच्छे खिलाड़ी भी ग्रामीण स्तर से ऊपर नहीं उठ पाते थे। पिछले कुछ वर्षों में, इस स्थिति को बदलने के अनेक सराहनीय प्रयास किए गए हैं। ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' का आयोजन किया गया। इस आयोजन से जमीनी स्तर के जनजातीय खिलाड़ियों को भी पहचान मिली है तथा उन्हें सुविधाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराए गए हैं। इन राष्ट्रीय खेलों में लगभग सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। भारत ने खिलाड़ियों की नैसर्गिक प्रतिभा के बल पर ओलिम्पिक खेलों में पहला स्वर्ण-पदक, हॉकी के लिए, वर्ष 1928 में जीता था। उस विजय में जनजातीय समुदाय के खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका थी। तब से लेकर आज तक दिलीप तिर्की, सुबोध लाक्रा और सलीमा टेटे जैसे स्टार-हॉकी खिलाड़ी भारत की पुरुष तथा महिला टीमों को जनजातीय प्रतिभा से समृद्ध करते रहे हैं। भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'खेलो इंडिया' नामक राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम के तहत स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सभी भौगोलिक क्षेत्रों, सामाजिक वर्गों और संस्थाओं के लिए समुचित खेल इको-सिस्टम उपलब्ध कराने का समावेशी प्रयास किया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत, खेल-कूद में बेटियों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही 'अस्मिता' नामक योजना से जनजातीय बेटियों की क्षमता भी विकसित हो रही है। 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' द्वारा शुरू की गई मुहिम को मजबूत बनाते हुए जनजातीय खेल-प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने से, खिलाड़ियों के ऐसे समूह तैयार होंगे जो विश्व-पटल पर भारत को खेल-महाशक्ति के रूप में स्थापित करेंगे। पिछले कुछ महीनों में आयोजित बस्तर एवं सरगुजा ओलिम्पिक में कुल 7 लाख से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। उन खिलाड़ियों में कुछ ऐसे युवा भी शामिल थे जो नक्सलवाद के रास्ते को छोड़कर खेल-कूद के सन्मार्ग पर चल पड़े हैं। खेल-कूद से युवा-ऊर्जा को सकारात्मक अभिव्यक्ति मिलती है। सरकार द्वारा युवाओं में खेल-प्रतिभा को पहचानने और विकसित करने के अच्छे परिणाम राष्ट्रीय और अंतर-राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दिखाई देने लगे हैं। युवाओं, विशेषकर जनजातीय युवाओं की खेल प्रतिभा हमारे राष्ट्र की अमूल्य सामाजिक पूंजी है। मुझे विश्वास है कि इस अनमोल संसाधन का सदुपयोग करते हुए हमारा देश खेल-कूद के क्षेत्र में उत्कृष्टता के अनेक गौरवशाली प्रतिमान स्थापित करेगा। इसी विश्वास के साथ मेरा संदेश है - खेलो इंडिया! खूब खेलो इंडिया!

आलेख

बिहार आइडिया ऑफ लोहिया की प्रयोगशाला

हरिशंकर व्यास

आधुनिक समय में 'देशज' हिंदू राजनीति के तीन प्रयोगधर्मी (विचारक?) हुए- गांधी, सावरकर और लोहिया। इन तीनों ने वे सूत्र, वे प्रयोग दिए, जिससे हिंदुओं को भक्ति की तीन नई मूर्तियाँ मिलीं। 1947 के बाद गांधी के नेहरू ने अपने प्रयोग किए। नेहरूवादी पैदा हुए। वही सावरकर के भक्तों ने हवा में लाठी घुमाते हुए भय, भक्ति, भूख की भीड़ बनाना शुरू किया। एक तरफ नेहरूवादी, दूसरी तरफ हिंदुवादी (धर्मनिरपेक्ष बनाम सांप्रदायिक)। और फिर इन दो धुरियों के बीच अचानक लड़ाकू तेवर के साथ डॉ. राममनोहर लोहिया उभरे। उनके जमीनी सूत्रों-नारों ने समाज में ऐसी हलचल बनाई, जिसके आगे गांधीवादी निरुत्तर थे तो हिंदुवादी भी मात्र हवा में लाठी भांजते थे। लोहिया के ही जुमलों ने वह मंडल-कमंडल बनाया कि समाज छिन्न-भिन्न हुआ। बुद्धि, विवेक सब छोड़ लोग पहचान (जाति, उपजाति, खाप) की भीड़ में कनवर्ट होने लगे। और अंत परिणाम? लोहियावादी भी वैसे ही बेमतलब है जैसे नेहरूवादी, गांधीवादी, मार्क्सवादी, माओवादी आदि भक्त समूहों का विसर्जन है। सवाल है तब 140 करोड़ लोगों का मालिक कौन? सावरकर के वे हिंदुवादी जो लाठी भांजने, हांकने की सौ वर्षों से ट्रेनिंग लेते-लेते डफरों के विश्वगुरू हैं। निश्चित ही इस ट्रेनिंग का प्रतीकमान चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी, जिन्होंने फरवरी 2026 में नई दिल्ली के भारत मंडपम से दुनिया को आह्वान किया कि स्वागत है आप द्वारा बनाई कृत्रिम बुद्धिमत्ता (सौ प्रतिशत अमेरिका या उनकी कंपनियों की मौलिक बुद्धि से निर्मित उत्पाद) का। भारत इसमें अपना भाग्य मानता है। और इस कॉलम को लिखते हुए खबर है कि अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत को 30 दिन की छूट दी। और अमेरिका की अनुमति प्राप्त हुई नहीं कि भक्त भीड़ का सोशल मीडिया 'अमेरिका से अनुमति' की वाह करते हुए है। मैं तभी ऐसी घड़ी में लोहिया और लोहिया के लोगों की स्मृति में नीतीश कुमार पर सोच रहा हूं। किस मनोदशा के पर्याय हैं नीतीश कुमार? इसलिए क्योंकि लोहिया की देशज राजनीति, जुमलों (या क्रांति) की प्रयोगशाला रहा है बिहार। लोहिया के मंडल चेहरे हों या भगवा चेहरे (सावरकर की सेंट्रल हॉल में तस्वीर के निर्णय के साझेदार जॉर्ज फर्नांडिस से हुकुमदेव नारायण यादव तक), सभी की यानी तमाम तरह के समाजवादियों की कर्मभूमि बिहार रही है। बिहार में कांग्रेस का शासन मुश्किल से चालीस वर्ष रहा। बाकी समय बिहार आइडिया ऑफ लोहिया की प्रयोगशाला रहा। कर्पूरी ठाकुर 1967 में मुख्यमंत्री बने थे। मधु लिमये, जॉर्ज फर्नांडिस से लेकर मंडल रिपोर्ट लिखने वाले बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल यहीं चुनाव जीतते रहे हैं। तभी सवाल है कि मंडल रिपोर्ट को लागू कराने की अधिसूचना जारी करवाने वाले शरद यादव, रामविलास पासवान हों या बिहार में 35 वर्षों से उसे लागू कराते लालू यादव, राबड़ी देवी तथा नीतीश कुमार के चेहरों से बिहार कैसा रचा है? ध्यान रहे नीतीश राज ही कोई बीस साल पुराना है। और लोहियावाद की इतनी लंबी देशज राजनीति के आइडिया की कुल बिहार प्राप्ति, उत्पादकता क्या है? एक वाक्य में जवाब है, खंडहर और मजदूर! तभी नीतीश कुमार की रिटायरी के साथ अब दिखलाई दे रहा है कि बिहार हर तरह से लाठीधारी डफर जमात का सुरक्षित गढ़ हो गया है। जबकि इस भूमि से, लोहियावादी विरासत की क्या उम्मीद होनी चाहिए थी? लोग कैसे तैयार होने थे? स्वाभिमानी, स्वदेशी, लड़ाकू-खुराफाती। मगर लोहियावादी बिहार में अब वह आबोहवा है, वह खंडहर है जो पिछले तीस वर्षों से जॉर्ज फर्नांडिस से लेकर नीतीश कुमार के मुंह से कभी भी कहने को भी, स्वदेशी, विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार (याद करें कभी जॉर्ज फर्नांडिस ने देसाई सरकार में कोका-कोला, आईबीएम कंपनियों को भारत से खदेड़ा था) के जुमले नहीं सुने गए! उलटे हुआ क्या? पुराने नामी रहे विश्वविद्यालय भी चौपट हुए। नालंदा की नकल और जुगाड़ जैसी शिक्षा व्यवस्था बनी। सो, बुद्धि चौपट और स्वाभिमानी आबादी का भक्ति तथा मजदूर भीड़ में कनवर्ट होना। इसलिए सोचें, नीतीश कुमार और लोहियावादी चेहरों पर तो गांधी, सावरकर, लोहिया के भारत के ऐसे हस्र पर भी!

अंतर की यात्रा : स्वयं को समझना क्यों कठिन है

डॉ. सुनील जैन 'संचय'

मनुष्य के भीतर एक सूक्ष्म प्रकाश निरंतर टिमटिमाता रहता है—मंद, किंतु अडिग। वही हमें यह संकेत देता है कि परिवर्तन संभव है, और आत्मबोध की राह अभी शेष है। परंतु विडंबना यह है कि जिस सत्य को हम बाहर खोजते हैं, वह प्राय: हमारे ही भीतर छिपा होता है; और उसी तक पहुँचना सबसे कठिन साधना बन जाती है। हम अक्सर अपने प्रश्नों का उत्तर आकाश में, परिस्थितियों में, या दूसरों के व्यवहार में ढूँढते हैं। किंतु जब बाहरी संसार मौन हो जाता है, तब एक अनकहा संकेत भीतर से उठता है—देखो, समझो, और स्वयं में उतर जाओ। यह उतरना सरल नहीं होता। यह किसी गहरे सरोवर में झाँकने जैसा है, जहाँ सतह के नीचे अंधकार, ठहराव और अनगिनत अनकही परतें छिपी रहती हैं। स्वयं से साक्षात्कार का अर्थ है—अपने वास्तविक स्वरूप को स्वीकार करना। वह स्वरूप, जो सदैव उज्ज्वल नहीं होता; जिसमें स्वार्थ, असुरक्षा, भय और अधूरेपन की छायाएँ भी विद्यमान होती हैं। इन छायाओं को नकारना आसान है, पर उन्हें पहचानना और स्वीकार करना ही सच्चे आत्मबोध की पहली सीढ़ी है। यही वह क्षण होता है, जब मनुष्य अपने आवरणों से मुक्त होकर अपने सत्य के सामने खड़ा होता है। जीवन में अनेक बार हम अपने भीतर के बोझ को ढोते रहते हैं—पुरानी स्मृतियाँ, अपूर्ण इच्छाएँ, और अनगिनत प्रश्न। ये सब मिलकर हमारे भीतर एक ऐसा संग्रह बना देते हैं, जिसे हम छोड़ना तो चाहते हैं, पर उससे अलग भी नहीं हो पाते। क्योंकि वही हमारे अस्तित्व का हिस्सा बन चुका होता है। यह द्वंद्व ही आत्म-यात्रा को और अधिक जटिल बना देता है। फिर भी, इस जटिलता के बीच आशा का एक दीप सदा जलता रहता है। वही हमें बार-बार यह विश्वास दिलाता है कि अंधकार स्थायी

नहीं है। यदि हम साहस के साथ अपने भीतर उतरने का प्रयास करें, तो धीरे-धीरे धुंध हटने लगती है। प्रश्नों के उत्तर तुरंत नहीं मिलते, परंतु प्रश्नों को समझने की क्षमता अवश्य विकसित हो जाती है। स्वयं को समझना इसलिए कठिन है, क्योंकि इसके लिए केवल ज्ञान नहीं, बल्कि धैर्य, ईमानदारी और आत्मस्वीकृति की आवश्यकता होती है। यह यात्रा किसी लक्ष्य तक पहुँचने की नहीं, बल्कि स्वयं के साथ सामंजस्य स्थापित करने की है। इसमें न कोई प्रतिस्पर्धा है, न कोई बाहरी प्रमाण—केवल एक मौन संवाद है, जो आत्मा और चेतना के बीच निरंतर चलता रहता है। अंततः, जब मनुष्य इस आंतरिक संवाद को सुनना सीख लेता है, तब उसे यह बोध होता है कि वह जिस सत्य की तलाश में भटक रहा था, वह सदैव उसके भीतर ही विद्यमान था। यही अनुभूति जीवन को नई दिशा देती है—जहाँ बाहरी शोर के स्थान पर भीतर की शांति मुखर हो जाती है। इसलिए, स्वयं को समझने की कठिनाई से भयभीत होने के बजाय, उसे एक अवसर की तरह स्वीकार करना चाहिए। क्योंकि यही वह मार्ग है, जो हमें हमारे वास्तविक अस्तित्व तक ले जाता है—धीरे-धीरे, परंतु स्थायी रूप से।

भारतीय शासन व्यवस्था की पटकथा फिर से लिख रहा है मिशन कर्मयोगी

डॉ जितेंद्र सिंह

कल्पना करें कि राजस्थान के दूरदराज के किसी कोने में जिला कलेक्टर को एक ऐसी महत्वाकांक्षी कल्याण योजना की जिम्मेदारी सौंपी जाती है जिसके बारे में उसकी जानकारी बहुत कम है। एक दशक पहले उसे जानकारी के लिए कहीं धूल खा रही किसी नियमावली का सहारा लेना होता। या फिर वह अपने किसी वरिष्ठ सहयोगी की तीन बैठकों और लंच के बाद खाली होने का इंतजार करता। उसकी उम्मीद उस प्रशिक्षण कार्यक्रम पर भी टिकी हो सकती थी जो शायद एक या दो साल में कभी आता। लेकिन आज वह अपने फोन के जरिए आईगॉट (इंटिग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म) पर लॉग ऑन करता है। उसे मिनटों में ही अपनी जरूरत के अनुरूप एक सुव्यवस्थित कार्यकुशलता आधारित पाठ्यक्रम मिल जाता है। वह शाम तक सूचनाओं और आत्मविश्वास से लैस होकर योजना के लाभार्थियों की पहली बैठक की अध्यक्षता कर रहा होता है। यह बदलाव देखने में छोटा लग सकता है मगर हकीकत में किसी क्रांति से कम नहीं है।

चमक-दमक से दूर धैर्य के साथ पांच साल पहले शुरू किया गया मिशन कर्मयोगी एक क्रांति ला रहा है। यह नए भारत के लिए एक नई तरह के प्रशासनिक अधिकारी तैयार करने के उद्देश्य से चुपचाप काम कर रहा है। इसके महत्व को समझने के लिए हमें पहले संदर्भ को जानना होगा। 2047 तक विकसित भारत के प्रधानमंत्री के निर्धारित लक्ष्य तक यूं ही नहीं पहुंचा जा सकता। इस मंजिल तक पहुंचने के लिए हमें भारत गणतंत्र को चलाने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों के जरिए सावधानी से एक-एक कदम आगे बढ़ना होगा। इस यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण पूंजी, प्रौद्योगिकी या नीति नहीं है। सबसे ज्यादा अहमियत उन लगभग 3.5 करोड़ प्रशिक्षित, उत्साही और नागरिक केंद्रित सरकारी कर्मियों की क्षमता की है जो हर सुबह उठ कर भारतीय शासन को संचालित करते हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में ज्यादातर समय क्षमता निर्माण का मॉडल सांयोगिक रहा है। किसी नौजवान अधिकारी को सेवा की शुरुआत के समय औपचारिक प्रशिक्षण दिया जाता था। फिर करियर के बीच में यदा-कदा उसे कुछ पाठ्यक्रमों में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता था। बाकी, उसे काम करते हुए और दूसरों को देख कर ही सीखना होता था। एक स्थिर और धीमी गति से आगे बढ़ते विश्व में यह काफी था। लेकिन कृत्रिम मेधा, जलवायु अवरोध, जनसांख्यिकीय दबाव और जबर्दस्त प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के युग में यह सरासर नाकाफी है। प्रशासन के सामने चुनौतियां जिस रफ्तार से आती हैं उसके सामने प्रशिक्षण की पुरानी प्रणालियों की गति कहीं नहीं टिकती। 'मिशन कर्मयोगी' को इसी बेमेल स्थिति के समाधान के रूप में की गई थी। 2021 में शुरू किया गया यह मिशन—जिसे उसी वर्ष अप्रैल में स्थापित 'क्षमता निर्माण आयोग' द्वारा संस्थागत रूप से संचालित किया गया, एक सचमुच महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आगे बढ़ा। भारतीय सिविल सेवाओं की सीखने की संस्कृति को, समय-समय पर होने वाली और केवल नियमों के पालन तक सीमित प्रक्रिया से बदलकर, एक निरंतर चलने वाली, भूमिका-आधारित और स्वयं-निर्देशित विकास यात्रा में रूपांतरित करना इसका मकसद है। जैसा कि आयोग इसका वर्णन करता है, यह बदलाव 'कर्मचारी'—यानी नियमों का पालन करने वाले एक पदाधिकारी से 'कर्मयोगी' बनने की ओर है: एक ऐसा लोक सेवक जो किसी उद्देश्य, सेवा-भाव और उत्कृष्टता से प्रेरित हो। पाँच वर्षों के बाद, ये आंकड़े अत्यंत शिक्षाप्रद हैं। 'आईगॉट' (इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग) प्लेटफॉर्म पर अब 1.5 करोड़ से अधिक सरकारी अधिकारी सक्रिय शिक्षार्थी के रूप में जुड़े हैं — यह एक ऐसी संख्या है जो शुरुआत के समय काल्पनिक लगती थी। 4,600 से अधिक योग्यता-आधारित पाठ्यक्रमों के माध्यम से, इन अधिकारियों ने 8.3 करोड़ से अधिक पाठ्यक्रम पूरे किए हैं। अकेले पिछले 'राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह' के दौरान, भागीदारी के परिणामस्वरूप 4.5 मिलियन घंटे के पाठ्यक्रम नामांकन और 3.8 मिलियन घंटे की वास्तविक शिक्षा दर्ज की गई। ये केवल अमूर्त आंकड़े नहीं हैं। दर्ज किया गया प्रत्येक घंटा भारत में कहीं न कहीं एक लोक सेवक का प्रतिनिधित्व करता है — छत्तीसगढ़ में एक राजस्व निरीक्षक, पुणे में एक शहरी स्थानीय निकाय अधिकारी, मणिपुर में एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, ये सब अपने साथी नागरिकों की बेहतर सेवा करने के लिए अपनी क्षमता बढ़ा रहें हैं। जो बात आईगॉट प्लेटफॉर्म को वास्तव में परिवर्तनकारी बनाती है, वह केवल इसका पैमाना नहीं है, बल्कि इसकी 'पहुँच की संरचना' है। यह किसी भी समय और कहीं भी, स्मार्टफोन या डेस्कटॉप पर, कई भाषाओं में उपलब्ध है, और इसे शिक्षार्थी के पेशेवर प्रोफाइल के अनुसार बनाया गया है। पाठ्यक्रमों को हर तीन से छह महीने में अपडेट किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि शासन में एआई टूल का उपयोग कैसे करें या नए वित्तीय नियमों को कैसे समझें, इससे संबंधित सामग्री वर्तमान और प्रासंगिक बनी रहे। दूसरे शब्दों में, यह प्लेटफॉर्म धूल फांकने वाली कोई डिजिटल लाइब्रेरी नहीं है — बल्कि यह सीखने का एक जीवंत और अनुकूलन योग्य तंत्र है। इस पर विचार कीजिए कि एक आदिवासी जिले की जूनियर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए इसका क्या अर्थ है, जिसे उसकी अपनी भाषा में बाल पोषण मूल्यांकन के नवीनतम प्रोटोकॉल समझाने वाला एक मॉड्यूल प्राप्त होता है। उसे अपने ब्लॉक में किसी प्रशिक्षक के आने का इंतज़ार करने की ज़रूरत नहीं है। वह सीखती है, और कार्य करती है। यही इस मिशन का 'लोकतांत्रिक लाभांश' है। क्षमता निर्माण आयोग, इस तंत्र के रणनीतिक संरक्षक के रूप में, एक साथ 'वास्तुकार' और 'संचालक' दोनों की भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय नीति बनाने वाले एक सचिव से लेकर ग्राम स्तर पर इसे लागू करने वाले एक पंचायत पदाधिकारी तक, यह पहचान करता है कि सार्वजनिक भूमिकाओं के विशाल स्पेक्ट्रम में किन योग्यताओं की आवश्यकता है। यह सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय मानक 2.0 ढांचे के माध्यम से देश के प्रशिक्षण संस्थानों के लिए गुणवत्ता मानक निर्धारित करता है, जिसके तहत देश भर के 200 से अधिक प्रशिक्षण संस्थान पहले ही मान्यता प्राप्त कर चुके हैं। यह राज्यों के साथ मिलकर काम करता है। सभी 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अब औपचारिक समझौता ज्ञापनों के माध्यम से जुड़ चुके हैं ताकि ऐसी विशिष्ट 'क्षमता निर्माण योजनाएं' तैयार की जा सकें जो कार्यबल की दक्षताओं को संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ जोड़ती हैं। 'राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम' जैसी ऐतिहासिक पहलों के माध्यम से, इसने एक मिलियन से अधिक प्रमाणित अधिकारियों को बड़े पैमाने पर व्यवहार प्रशिक्षण दिया है, जो प्रत्येक नागरिक को अंतिम हितधारक के रूप में मानने की सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण कला है।

विभागीय आयुक्त जितेंद्र पापलकर के हाथों ऋषभदेव का अभिषेक व हवन, महोत्सव के पाँचवें दिन केवलज्ञान कल्याणक मनाया गया

धर्मतीर्थ। कचनेर के पास स्थित श्रीक्षेत्र धर्मतीर्थ में श्री वृषभ सिद्ध जिन बिंब की 51 फीट ऊँची विशाल प्रतिमा की पंचकल्याणक प्रतिष्ठापना एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव जारी है। कल परमपूज्य जगद्गुरु गणाधिपति श्री कुंथुसागरजी गुरुदेव के पावन सान्निध्य में तथा क्रांतिकारी राष्ट्रसंत दिगंबर जैनाचार्य श्री गुप्तिनंदीजी गुरुदेव की प्रेरणादायी उपस्थिति में गौरवाध्यक्ष श्री जितेंद्र पापलकर ने पत्नी सहित ऋषभदेव का अभिषेक व हवन किया। पंचकल्याणक प्रतिष्ठापना महोत्सव समिति के अध्यक्ष श्री संजय पापडीवाल एवं कार्याध्यक्ष श्री चंद्रशेखर पाटणी ने इस अवसर पर आयोजन एवं संचालन किया।

आज भगवान की आहारचर्या संपन्न हुई। मुख्य आहारदाता का सम्मान श्री अमित एवं सौ. सुनिधी जैन परिवार, बाराबंकी (हैदराबाद) को प्राप्त हुआ। आज भगवान पर केवलज्ञान संस्कार किए गए। गणाधिपति गणधराचार्य कुंथुसागरजी महाराज, दिगंबर जैनाचार्य गुप्तिनंदीजी महाराज, आचार्य श्रुतधरनंदीजी, आचार्य सुयशगुप्तजी, उपाध्याय संमतभद्र महाराज, मुनिश्री विमलगुप्तजी तथा प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप मधुर पंडित ने मंत्रोच्चार के साथ यह संस्कार संपन्न कराया। 51 फीट प्रतिमा पर केवलज्ञान संस्कार क्रांतिकारी राष्ट्रसंत आचार्य गुप्तिनंदीजी महाराज, मधुर पंडित एवं सौधर्म इंद्र भूषण पाटणी द्वारा क्रेन की सहायता से ऊपर जाकर किया गया। इस अवसर पर गणाधिपति कुंथुसागरजी एवं आचार्य गुप्तिनंदीजी ने प्रतिमा को मंत्र प्रदान किए। पंचकल्याणक समिति के अध्यक्ष संजय पापडीवाल भी उनके साथ उपस्थित रहे। बुधवार, 1 अप्रैल को महोत्सव के पाँचवें दिन केवलज्ञान कल्याणक मनाया गया। प्रातः 5=30 बजे यज्ञशाला में अभिषेक, शांति हवन और जप हुआ। इसके बाद सुबह 7 बजे अभिषेक, शांतिधारा, नित्यपूजा और तप कल्याणक पूजन हुआ। सुबह 8 बजे आचार्य संघ का मंगल प्रवचन एवं भगवान की आहार विधि संपन्न हुई। सुबह 11 बजे तप संस्कार, मंत्रन्यास, प्रतिष्ठा हवन, सूरिमंत्र प्राणप्रतिष्ठा, मुखोद्घाटन एवं केवलज्ञान अभिषेक हुआ। शाम 6 बजे समवशरण उद्घाटन, पूजन एवं महाआरती की गई। रात 8 बजे युवक-युवतियों एवं बाल गोपालों ने उत्साहपूर्वक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। महोत्सव के पाँचवें दिन पैठण विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री विलास भमरे ने भी भेट दी और कहा कि उनके क्षेत्र में आए सभी श्रद्धालुओं का स्वागत है। इस अवसर पर पंचकल्याणक समिति के अध्यक्ष संजय पापडीवाल एवं कार्याध्यक्ष चंद्रशेखर पाटणी ने उनका सत्कार किया।

महामंत्री पवनकुमार पापडीवाल, गौरवाध्यक्ष जितेंद्र पापलकर, स्वागताध्यक्ष जिनेंद्र बाकलीवाल, प्रमोद जैन, कोषाध्यक्ष राजेंद्र पाटणी, मार्गदर्शक गुलाबचंद कासलीवाल, शरद जालनापुरकर, आर.आर. पहाडे, धीरज पाटणी, रमण साहुजी, मनोज सेठी, नितीन नखाते (नागपुर), नितीन गांधी (फलटण) सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

इस महोत्सव में आचार्य श्री तीर्थनंदीजी, प्रज्ञाश्रमण गणनायक आचार्य श्री सुयशगुप्तजी, आचार्य श्री श्रुतधरनंदीजी एवं गणिनी आर्यिका क्षमाश्री माताजी की विशेष ससंघ उपस्थिति रही। सभी ने मार्गदर्शन प्रदान किया। यह जानकारी प्रचार-प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा एवं पियुष कासलीवाल ने दी।

महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव पर महिलाओं के सम्मान एवं सशक्तिकरण हेतु कार्यक्रम आयोजित

बोरसी (विश्व परिवार)। जैन युवा संघ एवं सकल जैन समाज द्वारा महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर युवाओं की पहल से महिलाओं के सम्मान एवं सशक्तिकरण हेतु आयोजित कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बोरसी में आयोजित इस कार्यक्रम में 80 बच्चों एवं महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही, जिसमें मितानिन बहनों की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी प्रभावशाली बनाया।

इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए सेनेटरी पैड एवं आवश्यक किट का वितरण, बच्चों को कॉपी, पेन एवं स्टेशनरी भेंट की गई। कार्यक्रम दुर्ग पुलिस की रक्षा टीम के मार्गदर्शन एवं एसआई संगीता मिश्रा मैडम के निर्देशन में संपन्न हुआ, जिसमें

महिलाओं को सेल्फ डिफेंस, जागरूकता एवं स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया गया। पूरा वातावरण भगवान महावीर के संदेशों से गूंजायमान रहा। जैन महिला क्लब की मंत्री एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती ममता जैन, रिसाली समाज के सदस्य एवं बोरसी ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित महिला एवं कर्मा समाज की अध्यक्षा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ, जैन युवा संघ की ओर से क्षितिज जैन, निशांत जैन, अनेकांत जैन, मनोज जी, सौरभ जैन, डिंपी जैन, रजत जैन, हेमंत जैन, राजीव जैन, संतोष जैन, निकुंज जैन, संजीव जैन सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

बीरगांव में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में हुआ भंडारे का आयोजन

बीरगांव(विश्व परिवार) । हर वर्ष की भांति इस इस वर्ष भी हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में बीरगांव निगम क्षेत्र में जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया गया वहीं बजरंग दल द्वारा पुलिस चौकी के पास हनुमान मंदिर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में हनुमान भक्त प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे वही इस भंडारे में मुख्य रूप से उपस्थिति रमन नायडू ,अभिषेक सिंह चौहान ,ओम सिंह चौहान, वीरेंद्र विश्वकर्मा,मोनू साहू,कांत साहू ,संदीप मिश्रा, प्रमोद मिश्रा विपिन मिश्रा पप्पू तिवारी , विवेक पाठक ,सत्यम पाठक रमेश पाठक, प्रमोद कुमार सिंह, के अलावा बड़ी संख्या में भक्तगण शामिल हुए।

हनुमान मंदिरों में हुआ पूजा-पाठ और प्रसादी वितरण का कार्यक्रम

नवापारा-राजिम। क्षेत्र के सबसे बड़ा व्यापारिक एवं औद्योगिक शहर नवापारा में श्री हनुमान जी महाराज के प्राकट्योत्सव पर भक्ति, उत्साह और आस्था का अदभुत संगम देखने को मिला। पूरे शहर के हर हनुमान जी के मंदिर, हर मुहल्ले, चौक-चौराहो और घरो में विराजमान श्री हनुमान जी महाराज की पूजा अर्चना और आरती धूमधाम से किया गया।

शहर के सभी मार्ग केसरिया तोरण-पताकों से सुसज्जित थे। पूरे शहर में लाऊडस्पीकर से हनुमान जी महाराज के एक से बढ़कर एक भजन बज रहे थे। वातावरण पूरा धर्ममय था। कई जगह हनुमान चालीसा का पाठ, सुंदरकांड सहित विविध कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें बड़ी संख्या में हनुमान जी महाराज के भक्तों ने भाग लिया। बस स्टेण्ड से लेकर पूरे गंज मार्ग के मंदिरो में हलवा, पूरी, मीठा लसदार बूंदी और नारियल प्रसादी सहित केला-सेव वितरण किया गया। शहर में गुरुवार, 2 अप्रैल को श्री हनुमान जी महाराज का प्राकट्यउत्सव पूरे श्रद्धा,

उल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया।

सुबह की पहली किरण के साथ ही शहर के सभी हनुमान मंदिरों में पूजा-अर्चना का क्रम शुरू हो गया, जो देर रात तक भक्ति की सरिता के रूप में निरंतर बहता रहा। शहर के चप्पे-चप्पे में स्थित हनुमान मंदिरों में प्रातःकालीन अभिषेक, पूजा और आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भक्तों की आस्था का ऐसा अदभुत दृश्य देखने को मिला मानो पूरा नवापारा शहर हनुमानमय हो उठा हो। हर गली, मोहल्ला, चौक-चौराहा और मुख्य मार्ग केसरिया ध्वज, पताकाओं और तोरणों से सुसज्जित नजर आया, जिससे पूरे शहर का वातावरण भक्तिमय और उत्सवमय हो गया

कर्मों के अनुसार जीव का शरीर निर्मित होता हैं: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

जयपुर (विश्व परिवार)। वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज 35 पीछी साधु प्राचीन पाटौदी मंदिर चौकड़ी मोदीखाना जयपुर जिनालय में संघ सहित विराजित है 2अप्रैल को दिगंबर मंदिर श्री खिंदूकन, श्री संघजीमंदिर ,कालाछाबड़ा मंदिर ,श्री सिरमोरियाँ मंदिर आदि के दर्शन किए।

वैद्यराज श्री सुशीलजी की कर्म भूमि आरोग्य भारती का अवलोकन किया प्रतिदिन दोपहर को संघ में प्रवचनसार भाषाटीका का स्वाध्याय चल रहा है जिसमें आचार्य श्री ने बताया कि भाव परिणाम से कर्म का बंध होता है कर्मों की चमत्कारिक शक्ति से जीव का शरीर सुंदर, कुरूप आदि बनता है इस कारण कर्मों को शरीर का कर्ता कहा जाता है, राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने एक उदाहरण के माध्यम से प्रकरण को स्पष्ट कर बताया कि जैसे कुम्हार मिट्टी से धड़े, जुलाहा कपड़े का धागा और कारीगर मकान बनाता है यह सहकारी निमित्त है जबकि निमित्त, उपादेय से इन पदार्थों का निर्माण होता है।

राज्यपाल डेका ने हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर की पूजा-अर्चना

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल रमेन डेका ने हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर नर्मदा कुंड हनुमान मंदिर स्टेशन चौक एवं सर्व धर्म हनुमान मंदिर रेल्वे स्टेशन कैम्पस रायपुर में विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि, खुशहाली और प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना कर आशीर्वाद लिया।

लू -तापाघात से बचाव व तैयारी के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने बढ़ती गर्मी और संभावित लू की स्थिति को ध्यान में रखते हुए शासन के निर्देशानुसार लू-तापघात से बचाव एवं आवश्यक तैयारी के लिए अपर कलेक्टर अभिषेक कुमार गुप्ता को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। लू (तापघात) प्रबंधन एवं बचाव के सम्बन्ध में भारत सरकार गृहमंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा आवश्यक तैयारी एवं बचाव के सम्बन्ध में दिशा निर्देश जारी किया गया है।

लू के लक्षणः सिर में भारीपन और दर्द होना, तेज बुखार के साथ मुह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना,कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, बरीर का तापमान अधिक हो जाने के बाद भी पसीने का न आना, अधिक प्यास और पेशाब कम आना, भूख कम लगना, बेहोश होना।

हीट वेव में क्या करें :

जितना हो सके पर्याप्त पानी पिए, भले ही प्यास न लगी हो। मिर्गी हृदय, गुर्दे व लीवर से संभावित रोग बाले जो तरल प्रतिबंधित आहार लेते हो. तरल पदार्थ लेने से पहले डॉक्टर से परामर्श ले। हल्के, हल्के रस के, ढीले सूती कपड़े पहने। ओआरएस घोल, घर का बना पेय लस्सी, (बोरे बासी) चावल का पानी, नीबू का पानी, छाछ, आदि का उपयोग करें। बाहर जाने से बचे। यदि बाहर जाना आवश्यक है, तो अपने सिर (कपडे/टोपी या छाता) और चेहरे को ढकें। जहां तक समय हो किसी भी सतह को छूने से बचे।

क्या न करें :

गर्मी के दौरान बाहर न जाएं। यदि आपको आवश्यक कार्य के लिए बाहर जाना है, तो दिन के सीतलन घंटों के दौरान अपनी सारणी निर्धारित करने का प्रयास करें। अत्यधिक गर्मी के घंटों के दौरान बाहर जाने से बचे विशेष रूप से बोपहर 12.00 बजे नी 3.00 बजे के बीच। नंगे पैर या बिना चेहरे को ढके और बिना सिर ढककर बाहर न जाएं। व्यस्थतम समय (दोपहर) के दौरान खाना पकाने से बचें। खाना पकाने वाले क्षेत्रों (रसोई घरों) में दरवाजे और खिड़किया खोल कर रहो, जिससे पर्याप्त रूप से हवा आ सके । शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड पेय पीने से बचे जो शरीर को निर्जलित करते हैं।

आबकारी राजस्व में 33 प्रतिशत की वृद्धि, अवैध शराब के विरुद्ध 746 प्रकरण दर्ज,18 वाहन जब्त

बलौदाबाजार(विश्व परिवार)। आबकारी विभाग, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 427.56 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ है जो गतवर्ष की तुलना मे 33.04त्न अधिक है। अवैध शराब के विरुद्ध भी कड़ी कार्यवाही की गई। जिले में 5 नवीन मदिरा दुकान क्रमशः देशी कम्पेजिट मदिरा दुकान लाहोद, देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान गिधपुरी, देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान करहीबाजार,देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान हथबंद एवं प्रीमियम विदेशी मदिरा दुकान भाटापारा आबकारी विभाग द्वारा संचालित की जा रही है।इन दुकानों के संचालन से आबकारी विभाग को अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अवैध शराब के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत 746 अपराधिक प्रकरण कायम कर 6124.81 बल्क लीटर अवैध शराब,47730 किलोग्राम लाहन तथा 18 वाहन जप्त किया गया है।

अयोध्या में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय जैन विद्वत् सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

अयोध्या(विश्व परिवार)। श्री दिगम्बर जैन रायगंज जैन मन्दिर अयोध्या में गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में त्रिदिवसीय जैन राष्ट्रीय विद्ववत् सम्मेलन का हुआ सम्मेलन प्रातःकाल मुनि श्री विभास्वतरसागर जी महाराज, मुनि श्री शुद्धोपयोगसागर जी महाराज, मुनि श्रीसागर जी महाराल, मुनि श्री श्रमसागर जी महाराज एवं आए हुए अतिथियों के द्वारा द्वीप प्रज्वलन करके विद्वत् राष्ट्रीय महासम्मेलन का उद्घाटन सत्र का शुभारंभ किया गया अध्यक्षता प्रो. श्री अभय कुमार जैन उपाध्यक्ष जैन विद्या शोध संस्थान-लखनऊ मुख्य अतिथि प्रो. श्री प्रदीप कुमार जैन निदेशक एन. आई. टी. पटना सारस्वत अतिथि श्री सुरेशचंद जैन आई. ए. एस. भोपाल, कार्यक्रम का संचालन डॉ संजीव सर्राफ बी. एच. यू. बनारस के द्वारा किया गया। सभा का शुभारंभ

मंगलाचरण पूर्वक किया गया श्रीमती ऊषा पाटनी-इन्दौर के द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया इसी क्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत महामंत्री विद्वत् महासंघ श्री विजय कुमार जैन अध्योध्या के द्वारा किया गया। जिसमें उन्होंने आए हुए सभी सरस्वती पुत्रों का शब्द सुमन के द्वारा हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया। एवं अयोध्या शाश्वत तीर्थंकर जन्मभूमि पर होने वाले इस राष्ट्रीय जैन विद्वत् महासम्मेलन के बारे में जानकारी प्रदान की। इसी क्रम में प्रस्तावित वक्तव्य प्रो. श्री अनुपम जैन-इन्दौर अध्यक्ष विद्वत् महासंघ इन्दौर ने सिद्धांत ग्रंथ षट्खण्डागम द्विसहस्राब्दि महोत्सव के विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि षट्खंडागम ग्रंथ हमारे जैन आगम में सर्वप्रथम लिपिबद्ध किये जाने वाला पहला ग्रंथ है। जिसे आचार्य श्री पुष्पदंत एवं भूतबलि ने अपनी लेखनी के द्वारा लिपिबद्ध किया उससे पूर्व लिखने की परम्परा नहीं थी। आचार्य कुंदकुंद देव ने उस ग्रंथ की टीका लिखी 1200 वर्ष पश्चात् जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने सिद्धांत चिंतामणी नाम की षट्खण्डागम टीका लिखी अपने आप में ये एक बहुत बडी उपलब्धि जैन समाज के लिए है। श्री विजय कुमार जैन महामंत्री विद्वत् महासंघ ने बताया कि 3 दिनों तक चलने वाले इस अधिवेशन में लगभग देश के विभिन्न आँचलों से 200 से ज्यादा विद्वान् सम्मिलित हो रहे हैं। उनमें से प्रमुख विद्वान् अपनी अपनी बात अनेक सत्रों में सबके समक्ष रखेंगे। अन्त में गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने ग्रंथ राज के विशेष महत्त्व को बताते हुए कहा कि षट्खंडागम ग्रंथ अपने आप में एक अतिशय कारी एवं चमत्कारी ग्रंथ है।

युद्ध की विभीषिका से संसार को भगवान महावीर का जियो और जीने दो का संदेश कर सकता है शांत

- भगवान महावीर के जन्म कल्याणक दिवस पर निकली शोभायात्रा

गौरेला (विश्व परिवार)। भगवान महावीर के जन्म कल्याणक दिवस पर जैन धर्मावलंबियों द्वारा नगर में शोभायात्रा के माध्यम से भगवान महावीर के जियो और जीने दो के संदेश को प्रसारित किया गया। शोभा यात्रा में सम्मिलित पुरुषों ने श्वेत वस्त्र और महिलाओं ने पीत वस्त्र धारण किया था। शोभा यात्रा के आगे आगे विमान में भगवान महावीर की जिन प्रतिमा विराजमान थीं। शोभा यात्रा में सम्मिलित जन समुदाय भगवान महावीर के जयकारा के साथ जियो और जीने दो के संदेश का उद्घोष कर रहे थे। नगरपालिका गौरेला के अध्यक्ष मुकेश दुबे ने अपने साथियों के संग गांधी चौक में शोभायात्रा का स्वागत किया। उन्होंने इस अवसर पर जैन समाज के वरिष्ठ जनों का शाल और श्री फल भेंट कर सम्मान किया। जैन समाज के अध्यक्ष अशोक जैन के नेतृत्व में शोभायात्रा ने नगर के प्रमुख मार्गों का

भ्रमण किया। युद्ध की विभीषिका से संकटग्रस्त विश्व को भगवान महावीर के जियो और जीने दो के संदेश से शांति और समाधान मिल सकता है। भगवान महावीर के जन्म कल्याणक महोत्सव पर जैन समाज गौरेला के संरक्षक वेदचन्द जैन ने उपरोक्त विचार व्यक्त किये। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में श्री जैन ने कहा कि भगवान महावीर द्वारा ढाई हजार वर्ष पूर्व दिया गया शांति और सहअस्तित्व का उपदेश सर्वकालिक प्रासांगिक है। संसार के सभी प्राणियों को जीवन जीने का समान अधिकार है। संसार युद्ध के बादलों से घिरा है, भगवान महावीर द्वारा स्थापित दया, करुणा, सत्य और अहिंसा से संसार में मानव और मानवता की रक्षा की जा सकती है। आपने कहा कि भगवान महावीर के वंशजों और अनुयायियों का यह दायित्व है कि भगवान महावीर की वाणी जन जन तक पहुंचायें। शोभा यात्रा में समाज के वयोवृद्ध विठ्ठल भाई, संरक्षक वेदचन्द जैन,अध्यक्ष अशोक जैन, उपाध्यक्ष जयदीप गोहलिया, सुमेर चन्द जैन,ज्ञान चंद जैन, कोषाध्यक्ष सुबोध जैन, ललित जैन,विमल जैन,कमल जैन, अनिल जैन,संजय सिंघई, स्वप्निल जैन, पूर्व अध्यक्ष उत्तम चंद जैन, सुधीर जैन, अम्मू जैन, सुकांत जैन, अभिषेक जैन, रमेश जैन, राहुल जैन,गौरव जैन, सचिन सोनल जैन शोभित जैन सहित महिलाएं और युवा सम्मिलित थे।

संक्षिप्त समाचार

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स तथा राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा बस्तर के घाटलोहंगा में मानवता की मिसाल

भीषण गर्मी में राहगीरों के लिए शुरू हुआ शीतल जल प्याऊ

जगदलपुर/विश्व परिवार। बस्तर जिले में सूर्य के बढ़ते तेवर और भीषण गर्मी को देखते हुए मानवता की सेवा के लिए एक सराहनीय पहल की गई है। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ बस्तर तथा राष्ट्रीय सेवा योजना घाटलोहंगा के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय यात्री प्रतीक्षालय में शीतल जल प्याऊ घर का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस सेवा कार्य का मुख्य उद्देश्य चिलचिलाती धूप में सफर करने वाले यात्रियों और आसपास के ग्रामीणों को ठंडे पानी की सुविधा उपलब्ध कराना है। इस पुनीत कार्य का शुभारंभ ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती दिया भद्रे और उप सरपंच श्री यमुना तिवारी के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर डीओसी (स्काउट) दसरुराम यादव, जिला सचिव लिलेश कुमार देवांगन, वरिष्ठ ग्रामीण यशवंत तिवारी और पूर्व सरपंच कुशल बघेल सहित ग्राम पटेल एवं क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वामी आत्मानंद हिंदी उत्कृष्ट शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घाटलोहंगा के प्राचार्य एवं शैक्षणिक स्टाफ ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। उल्लेखनीय है कि इस जल सेवा अभियान को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी विद्यालय के सुभाषचंद्र बोस स्काउट दल और इंदिरा गाइड टीम ने उठाई है, जो पूरे माह निस्वार्थ भाव से यहाँ अपनी सेवाएं देंगे। इस पूरे अभियान को राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा, राज्य सचिव बृजेश बाजपेई, जिला मुख्य आयुक्त संजय पांडेय तथा जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला आयुक्त (स्काउट) बीआर बघेल का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। सेवा की इस कड़ी में राज्यपाल अवार्डी पुष्पा बघेल के साथ-साथ अतुल, रामेश्वरी, माहेअक्शा, जिज्ञासा और एनएसएस के अन्य स्वयंसेवक पूरी निष्ठा से जुटे हुए हैं। इन युवाओं के जज्बे को देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस पुनीत कार्य में अपना हरसंभव सहयोग देने का संकल्प लिया है। इस बारे में वरिष्ठ ग्रामीण यशवंत तिवारी कहते हैं कि गर्मी के दिनों में जरूरतमंद लोगों को पेयजल की सुलभता सुनिश्चित कराना एक मानवीय पहल है।

भीप पेमेंट्स ऐप का 'माही वे' कैंपेन, डिजिटल पेमेंट्स को सरल और सुरक्षित बनाने पर जोर

रायपुर। भीम पेमेंट्स ऐप, जिसे एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) द्वारा विकसित किया गया है, ने अपने नए 'माही वे' कैंपेन के लॉन्च की घोषणा की। यह कैंपेन भीम को एक स्पष्ट और भरोसेमंद विकल्प के रूप में प्रस्तुत करता है, जिससे यूज़र्स तुरंत भुगतान कर सकते हैं। भारत में पैसे के साथ जुड़े भरोसे को दर्शाते हुए, यह कैंपेन भीम ऐप द्वारा प्रदान की जानेवाली सुविधाजनक और सुरक्षित भुगतान प्रक्रिया पर जोर देता है, जिससे नए यूज़र्स सहित सभी में डिजिटल पेमेंट्स के प्रति विश्वास बढ़ता है। यह 360-डिग्री कैंपेन महान क्रिकेटर और ब्रांड एंबेसडर महेंद्र सिंह धोनी को प्रस्तुत करता है, जिनका शांत और भरोसेमंद व्यक्तित्व भीम पेमेंट्स ऐप के अनुभव से मेल खाता है। 'भीम एप से करो पे, इट्स द माही वे' विचार पर आधारित यह कैंपेन उन रोज़मर्रा की स्थितियो ंको दिखाता है, जहां यूज़र्स के पास कई पेमेंट विकल्प होते हैं, लेकिन वे एक सरल और विश्वसनीय माध्यम चुनते हैं। इस फिल्म में भीम के स्कैन एंड पे फीचर और इंस्टेंट रिवॉर्ड्स को भी दिखाया गया है, जो डिजिटल पेमेंट को तेज़ और बिना चिंता के बनाते हैं। ललिता नटराज, एमडी और सीईओ, एनपीसीआई भीम सर्विस लिमिटेड (एनबीएसएल) ने इस अवसर पर कहा - भारत में डिजिटल पेमेंट्स को अपनाने और उपयोग करने में भरोसा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जैसे-जैसे इसका उपयोग बढ़ रहा है, यूज़र्स सरलता और भरोसे के साथ-साथ हर ट्रांजैक्शन के सुरक्षित होने का आश्वासन चाहते हैं। हमारा नया कैंपेन 'माही वे' इसी व्यवहार को दर्शाता है, जहां बिना किसी भ्रम या देरी के पेमेंट्स किए जाते हैं, एक ऐसे प्लेटफॉर्म पर जिसपर यूज़र्स भरोसा कर सकें। भीम पेमेंट्स ऐप के साथ, हम पूरे देश में यूज़र्स को एक भरोसेमंद और समावेशी पेमेंट अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस कैंपेन को टिल्ट ब्रांड सॉल्यूशंस द्वारा तैयार किया गया है और इसे टेलीविजन, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, सिनेमा और आउटडोर मीडिया पर लॉन्च किया जाएगा। भीम के समावेशी दृष्टिकोण के अनुरूप, यह कैंपेन 11 भाषाओं में उपलब्ध होगा।

मोदी सरकार पर कांग्रेस का तीखा हमला, आम जनता बेहाल

मोदी सरकार की नीतियां फेलः आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफलता से बढ़ी महंगाई – सुखचंद बेसरा

गरियाबंद (विश्व परिवार)। देश में लगातार बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफ्लताओं के कारण आम जनता पर महंगाई का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है।

स्थानीय रेस्ट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में बेसरा ने कहा कि केंद्र सरकार ने एक बार फिर कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 195 रुपए की वृद्धि कर दी है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन महीनों में ही कमर्शियल गैस के दाम 525 रुपए तक बढ़ चुके हैं। इसके अलावा घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में भी हाल ही में 62 रुपए की बढ़ोतरी की गई है, जिससे आम लोगों का घरेलू बजट बिगड़ गया है।

बेसरा ने कहा कि सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने का प्रचार किया गया, लेकिन हकीकत यह है कि कई

राज्यों में पेट्रोल के दाम फिर से बढ़ गए हैं। कुछ पेट्रोल पंपों पर तो 4 रुपए तक की वृद्धि दर्ज की गई है। एविएशन फ्यूल के दाम बढ़ने से हवाई यात्रा भी महंगी हो गई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि खाद्य तेल, दूध, मावा और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें बेतहाशा बढ़ गई हैं। खाद्य तेल, जो कभी 70 रुपए प्रति लीटर था, अब 200 रुपए के पार पहुंच चुका है। घरेलू गैस सिलेंडर, जिसे पहले 400 रुपए में महंगा बताया जाता था, अब 900 से 1000 रुपए तक पहुंच गया है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि महंगाई के कारण आम आदमी का जीवन स्तर लगातार गिरता जा रहा है और परिवार चलाना कठिन हो गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार की नीतियां केवल बड़े पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने वाली हैं, जबकि आम जनता को कोई राहत नहीं मिल रही।

रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती यूपीए सरकार ने मनरेगा के जरिए रोजगार की कानूनी गारंटी दी थी, जिसे वर्तमान सरकार ने कमजोर कर दिया है।

बेसरा ने कहा कि रेलवे टिकट, स्कूल-कॉलेज फीस और बैंकिंग सेवाओं पर बढ़ते शुल्क ने आम लोगों की आर्थिक स्थिति और खराब कर दी है। उन्होंने महंगाई को भाजपा निर्मित आपदा बताते हुए कहा कि देश में आर्थिक असमानता लगातार बढ़ रही है। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुखचंद बेसरा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष आबिद ढेबर, सन्नी मेमन, रमेश रामा शर्मा, पन्नालाल, जुनैद खान, छगन यादव, रमीज रहमान एवं अवध यादव उपस्थित थे।

गरियाबंद में कांग्रेस संगठन सृजन को मिली रफ्तार, पंचायत से बूथ तक मजबूत ढांचा तैयार करने पर जोर

गरियाबंद (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं जिला कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर बिंद्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र में संगठन सृजन को लेकर व्यापक स्तर पर बैठक आयोजित की गई। यह महत्वपूर्ण बैठक नहरगांव मंडल में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमित मिरी के नेतृत्व में सम्पन्न हुई, जिसमें विधायक जनक राम ध्रुव की उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भर दिया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य पंचायत, वार्ड एवं बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करना और जमीनी स्तर तक कांग्रेस की पकड़ को सुदृढ़ बनाना रहा। इस दौरान पंचायत अध्यक्षों एवं बूथ अध्यक्षों का गठन किया गया तथा कार्यकर्ताओं को सक्रिय होकर संगठन विस्तार में जुटने का आह्वान किया गया।

वक्ताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि मजबूत संगठन ही पार्टी की असली ताकत है और आने वाले समय में यही ताकत चुनावी सफ्लता का आधार

बनेगी। बैठक में कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर गांव-गांव तक पहुंच बनाने और आम जनता से सीधा संवाद स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रमेश शर्मा, जिला महामंत्री व ब्लॉक प्रभारी पन्ना लाल ध्रुव, महामंत्री डिलेश्वर देवांगन, मंडल अध्यक्ष भानु सिन्हा, केशु सिन्हा, विधानसभा अध्यक्ष अमृत पटेल, सेक्टर अध्यक्ष समीद खान, डैनी ध्रुव, नोबेल सेन, खम्मन दिवान, संतोष कुमार, पुनीत राम, महेश ध्रुव, महेश ठाकुर, देवलाल ध्रुव, पप्पू गुप्ता, भूपेंद्र साहू, लक्ष्मी नारायण, संतोष यादव, गोपाल देवांगन, उदित कुमार, साकेत शर्मा, मिथलेश, परमेश्वर ध्रुव, लखन, नरेंद्र, चितरंजन दीवान, धनराज निषाद, तुकेश्वर सेन, पुरुषोत्तम, गुलशन ध्रुव, लोमश, टेमलाल, देवालीराम, अघिन राम, भुनेश्वर निषाद, चुम्मन सिंह, घनश्याम ओगरे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गरियाबंद में हनुमान जन्मोत्सव की धूमः मंदिरों में उमड़ी आस्था, जयकारों से गूंजा शहर

गरियाबंद (विश्व परिवार)। चैत्र मास की पूर्णिमा के पावन अवसर पर हनुमान जन्मोत्सव गुरुवार को पूरे जिले में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। शहर से लेकर आसपास के गांवों तक हर जगह रामभक्त हनुमान के जन्मोत्सव की धूम देखने को मिली। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं और पूरे दिन जयकारों की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना रहा। हनुमान मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना के तहत भगवान का दूध, दही, शहद, घी और गंगाजल से अभिषेक किया गया। इसके बाद आकर्षक श्रृंगार कर नई पोशाक धारण कराई गई। मंदिरों को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया गया, जिससे शहर का धार्मिक माहौल और भी भव्य हो उठा।

जन्मोत्सव के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने दर्शन कर प्रसाद अर्पित किया और संकटों से मुक्ति की

कामना की। पूजा-पाठ के बाद मंदिरों में प्रसाद वितरण किया गया और कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन भी हुआ।

गौरव पथ मार्ग स्थित गांधी मैदान के सामने दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में विशेष आयोजन किया गया। यहां संकट मोचन समिति और श्रद्धालुओं के सहयोग से भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें आरती, भजन और महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

शहर के विभिन्न हनुमान मंदिरों में भजन-कीर्तन, आरती और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन दिनभर चलता रहा। हर मंदिर में विशेष महाआरती की गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिरों के बाहर दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। आयोजन समिति सदस्य बसंत मिश्रा ने बताया कि जन्मोत्सव को लेकर इस वर्ष विशेष तैयारियां की गई थीं, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था मिल सके। पूरे आयोजन को सफल बनाने में समिति और स्थानीय लोगों का विशेष योगदान रहा।

रफ्तार और शक्ति का महासंग्राम : बस्तर की धरा पर संपन्न हुई खेलो इंडिया एथलेटिक्स स्पर्धाएं

जगदलपुर/विश्व परिवार। बस्तर की पावन धरा जगदलपुर के धरमपुरा स्थित आधुनिक क्रीड़ा परिसर में आयोजित पहले 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' के अंतर्गत गुरुवार को एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन ट्रैक पर रफ्तार, शक्ति और अटूट संकल्प का अद्भुत संगम देखने को मिला। बीते 30 मार्च से भव्यता के साथ शुरू हुए इस खेल महाकुंभ के समापन अवसर पर देश के कोने-कोने से आए जनजातीय एथलीटों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कई रोमांचक पदक अपने नाम किए। दिन की सबसे चुनौतीपूर्ण स्पर्धाओं में से एक, पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में नागालैंड के धावक वेडे टमेरो ने शुरू से ही अपनी लय बरकरार रखी और 32:28.46 के शानदार समय के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उनके ठीक पीछे महाराष्ट्र के जुझारू

एथलीट कमलाकर लक्ष्मण देशमुख रहे, जिन्होंने रजत पदक जीता, जबकि जम्मू-कश्मीर के हंस राज ने कांस्य पदक जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसी स्पर्धा के महिला वर्ग में पश्चिम बंगाल की संजीता ओरांव ने अपनी सहनशक्ति का परिचय देते हुए 40:21.18 के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जहाँ ओडिशा की संध्या मुर्मू को रजत और मेघालय की बलारिशा थिरनियांग को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

मैदान पर रोमांच तब और बढ़ गया जब एथलेटिक्स के इस अंतिम पड़ाव पर लघु दूरी की स्पर्धाओं में धावकों ने अपनी बिजली जैसी तेजी दिखाई। पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में झारखंड के धावक शिव कुमार सोरेन ने 21.51 सेकंड के रिकॉर्ड समय के साथ फिनिशिंग लाइन पार कर स्वर्ण पदक जीता, जबकि असम के अर्पण ताई और राजस्थान के जगदीश मीणा ने क्रमशः रजत

और कांस्य पदक हासिल किए। महिला वर्ग की 200 मीटर स्पर्धा में कर्नाटक की ऋशुश्री ने 25.87 सेकंड की रफ्तार से स्वर्ण पदक अपने नाम कर राज्य का गौरव बढ़ाया। मध्यम दूरी की 1500 मीटर दौड़ में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहाँ महिला वर्ग में कर्नाटक की नागिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं पुरुष वर्ग में झारखंड के राहुल उरांव ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उल्लेखनीय है कि मेजबान छत्तीसगढ़ के मनीष कुमार ने घरेलू मैदान पर दर्शकों के भारी समर्थन के बीच तीसरा स्थान हासिल कर राज्य की झोली में कांस्य पदक डाला।

शक्ति और तकनीक के संगम वाली भाला फेंक (जैवलीन थ्रो) स्पर्धा में मध्य प्रदेश के गुलाब सिंह ने 62.80 मीटर की प्रभावशाली दूरी तय कर स्वर्ण पदक जीता, जबकि असम के प्रमोद हागजेर मात्र कुछ ही फासले से पीछे रहकर रजत पदक के हकदार बने। टीम वर्क और बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन करते हुए महिला 4×400 मीटर रिले दौड़ में झारखंड की आशा किरण बारला और तनीषा कुमारी की टीम ने स्वर्ण पदक जीता, वहीं पुरुषों की इसी स्पर्धा में ओडिशा की टीम ने चैंपियन बनकर अपनी धाक जमाई। मेजबान छत्तीसगढ़ की पुरुष रिले टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। एथलेटिक्स मुकाबलों के इस अंतिम दिन की अंतिम रोमांचक स्पर्धाओं में महिला लंबी कूद शामिल रही, जहाँ झारखंड की प्रीति लकड़ा ने 5.54 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। केंद्रीय खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित यह महाकुंभ न केवल पदक तालिका में उलटफेर कर रहा है, बल्कि जनजातीय क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को एक सशक्त राष्ट्रीय मंच प्रदान कर बस्तर के खेल इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिख रहा है।

ककनार घाटी के नीचे थमा लाल आतंक का शोर

अब गूंजती है बस की हॉर्न

जगदलपुर/विश्व परिवार। बस्तर की भौगोलिक विषमताओं और कठिन परिस्थितियों के बीच विकास की एक ऐसी नई इबारत लिखी गई है, जिसकी कल्पना कुछ साल पहले तक नामुमकिन थी। ककनार घाटी के नीचे बसे सुदूर गांव कुधूर, धरमाबेड़ा, चंदेला, ककनार और पालम जो कभी वामपंथी आतंक के गढ़ माने जाते थे, आज मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा के माध्यम से मुख्यधारा से जुड़ गए हैं। इन गांवों के निवासियों के लिए पक्की सड़क का निर्माण एक ऐसा सपना था, जिसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था, क्योंकि घाटी की दुर्गम ढलान और माओवाद के साये ने विकास के हर रास्ते को अवरुद्ध कर रखा था। लेकिन आज उन्हीं संकरी पगडंडियों और चुनौतीपूर्ण रास्तों पर बनी नई सड़क में बस का दौड़ना बस्तर की बदलती तस्वीर का सबसे सशक्त प्रमाण है। ज्ञात हो कि

बस्तर जिले में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना की शुरूआत बीते 04 अक्टूबर 2025 को केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा की गई थी। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के माध्यम से जिले के चार चयनित मार्गों पर बस सेवा संचालित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत शुरू हुई यह बस सेवा केवल एक वाहन नहीं, बल्कि विश्वास और विकास की एक कड़ी है। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार रायपुर द्वारा स्वीकृत समय-सारणी के अनुसार यह बस प्रतिदिन कोण्डागांव जिले के मर्दापाल से अपनी यात्रा शुरू करती है और ककनार घाटी के नीचे बसे उन गांवों को जोड़ती है जहाँ कभी पैदल चलना भी जोखिम भरा था। घाटी के इन दुर्गम अंचलों से होते हुए बस धरमाबेड़ा और ककनार जैसे पड़ावों को पार कर संभाग मुख्यालय जगदलपुर पहुँचती है। इससे उन लोगों का सफर अब सुगम हो गया है जिन्होंने दशकों तक केवल सड़क और बस का इंतजार किया था।

वामपंथी समस्या के कमजोर पड़ने और सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के चलते अब इन संवेदनशील इलाकों में सड़कों का निर्माण संभव हो पाया है। पक्की सड़कों के इस जाल ने न केवल परिवहन को आसान बनाया है, बल्कि ककनार घाटी के नीचे बसे ग्रामीणों के मन से अलगाव का डर भी खत्म कर दिया है। अब शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के लिए ग्रामीणों को मीलों का सफर तय नहीं करना पड़ता। यह निरंतर बस सेवा इस बात का प्रतीक है कि बस्तर का वह हिस्सा जो कभी अंधेरे में खोया हुआ माना जाता था, अब पूरी रफ्तार के साथ प्रगति की राह पर अग्रसर है। घाटी की ऊंचाइयों से उतरकर यह बस आज हर ग्रामीण के घर तक शासन की योजनाओं और खुशहाली का संदेश पहुँचा रही है। इस बारे में चंदेला के सरपंच श्री तुलाराम नाग कहते हैं कि करीब दो साल पहले तक इस ईलाके में माओवादी समस्या के कारण विकास थम सी गई थी लेकिन आज सड़क बन जाने के साथ ही विकास को एक नई दिशा मिल चुकी है। इस ईलाके में स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र की सेवाओं के साथ ही उचित मूल्य दुकान में खाद्यान्न एवं अन्य जरूरी सामग्री सुलभ हो रही है वहीं समीपस्थ ग्राम ककनार में साप्ताहिक बाजार की रौनक देखते ही बनती है। क्षेत्र के ककनार सरपंच श्री बलीराम बघेल बताते हैं कि पहले उन्हे अपने तहसील मुख्यालय लोहण्डीगुड़ा और जिला मुख्यालय तक जाने मे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब सड़क के बन जाने से बारहमासी आवागमन की सुविधा मिल रही है।

चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के आह्वान पर पुलिस कमिश्नर ने बात मानी ट्रांसपोर्टर एवं व्यापारियों को राहत

रायपुर (विश्व परिवार)। कुछ दिन पूर्व एक पुलिस कमिश्नर और ट्रैफिक विभाग के द्वारा शाम को 5ः00 बजे से लेकर 9ः00 बजे तक का लोडिंग अनलोडिंग गाड़ियों पर बैन लगा दिया गया था जिसके कारण व्यापारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा था एवं ट्रांसपोर्टर की गाड़ियों का चालान किया जा रहा था जिसे ट्रांसपोर्टर के अंदर भय पैदा हो गया था इन सब बातों को केवल आप कॉमर्स के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थोरानी के नेतृत्व में पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला से मुलाकात की एवं ट्रैफिक डीएसपी विवेक शुक्ला से मुलाकात कर इनका समस्या का समाधान ढूंढा गया अब 5ः00 बजे से लेकर 7ः00 बजे तक केवल ट्रैफिक व्यवस्था को देखते हुए सिर्फ 2 घंटे के लिए बंद किया गया। यह जानकारी छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी ने दी ट्रांसपोर्टर और व्यापारी वर्ग ने इस मे सहमति जताई।

आज से महादेव घाट में वॉलीबॉल का महासंग्राम

राजेश मूणत करेंगे उद्घाटन, देश-विदेश के खिलाड़ी दिखाएंगे दम

रायपुर (विश्व परिवार)। हटकेश्वरनाथ वॉलीबॉल संघ, रायपुर द्वारा 03 से 05 अप्रैल 2026 तक महादेव घाट स्थित हटकेश्वरनाथ वॉलीबॉल ग्राउंड में 5वीं ऑल इंडिया वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता रायपुर में वॉलीबॉल प्रेमियों के लिए एक बड़े खेल उत्सव के रूप में आयोजित की जा रही है, जिसमें देश-विदेश की 18 टीमें और ख्यातिप्राप्त खिलाड़ी और उनके टेक्निकल स्टाफ सहित लगभग 300 सदस्य हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन 03 अप्रैल 2026, शुक्रवार को प्रातः 10ः00 बजे माननीय श्री राजेश मूणत, विधायक एवं पूर्व मंत्री के मुख्य आतिथ्य में होगा। इस अवसर पर रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। साथ ही श्री मनोज वर्मा, श्री महेन्द्र औसर (पार्षद द्वय), श्री मोहम्मद अकरम खान, श्री अनुराग राठी (संरक्षक) अध्यक्ष श्री सैयद अनवर अली, संस्थापक सदस्य मंगलेश्वर सिंह, मार्तण्ड सिंह, जितेंद्र सिंह एवं सचिव रमाकांत निषाद सहित संघ के समस्त सदस्य तथा अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहेंगे। प्रतियोगिता में मास्टर्स 40+ वर्ग के साथ-साथ ओपन गर्ल्स स्पर्धा भी आयोजित की जाएगी। मास्टर्स वर्ग में दुबई, उत्तर प्रदेश, केरल, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, ओडिशा, चंडीगढ़, कोरबा, रायपुर और मॉर्निंग क्लब की टीमें भाग लेंगी। वहीं ओपन गर्ल्स वर्ग में पुणे (महाराष्ट्र), हरियाणा, कोलकाता, दिल्ली, आगरा (उत्तर प्रदेश), बालाघाट , वाराणसी, स्ढ्ढ रायपुर और भिलाई की टीमें अपना दमखम दिखाएंगी।

आयोजकों के अनुसार, प्रतियोगिता में भाग लेने वाली कई टीमों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध खिलाड़ी शामिल रहेंगे, जिससे प्रतियोगिता के मुकाबले बेहद रोमांचक और उच्चस्तरीय होने की संभावना है।

मास्टर्स वर्ग में विजेता टीमों के लिए प्रथम पुरस्कार -71,000/-एवं शील्ड द्वितीय पुरस्कार - 51,000/- एवं शील्ड जबकि ओपन गर्ल्स वर्ग में प्रथम पुरस्कार - 31,000 + शील्ड द्वितीय पुरस्कार- 21,000 + शील्ड इसके अलावा व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिया जायेगा। आयोजन समिति ने खेल प्रेमियों, वरिष्ठ खिलाडियों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर खिलाडियों का उत्साहवर्धन करें। और इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता को सफल बनाएं। यह जानकारी संघ के अध्यक्ष श्री सैयद अनवर अली ने दी।

दावड़ा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने राज्यपाल के समक्ष दी आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति

रायपुर(विश्व परिवार)। एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित राज्य स्थापना दिवस समारोह में श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। यह कार्यक्रम राजभवन, रायपुर में राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने दादरा एवं नगर हवेली की पारंपरिक लोक-संस्कृति पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किया। रंग-बिरंगी वेशभूषा, पारंपरिक संगीत और उत्कृष्ट तालमेल ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

राज्यपाल श्री रमेन डेका जी ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम देश की विविधता और एकता को मजबूत करते हैं तथा युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ते हैं।

कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की गई, जिसमें श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रदर्शन संस्थान के लिए गर्व का विषय है तथा भविष्य में भी विद्यार्थियों को ऐसे मंचों पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

शराबबंदी छोड़ भाजपा सरकार शराब की कमाई बढ़ाने में लगी : कांग्रेस

रायपुर (विश्व परिवार)। शराब की कीमतें बढ़ाने और शराब को प्लास्टिक की बोतल में बेचने के निर्णय का कांग्रेस ने विरोध किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि शराब के दाम बढ़ाना एवं प्लास्टिक के बोतल में शराब बेचना गलत है। भाजपा की सरकार शराब की काली कमाई करने में लगी हुई है। जनता को लूटने का प्रयास सरकार के द्वारा किया जा रहा है। भाजपा सरकार पहले तो लोगों को शराबी बनाया गया, शराब की लत लगाया गया, शराब की खपत बढ़ाई गयी, लोग शराब पीने लगे तो शराब के रेट बढ़ाकर जनता को लूटने लगे। 5 साल तक शराबबंदी की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी मुनाफा कमाने के लिये प्लास्टिक की बोतल में शराब बेचने जा रही है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्लास्टिक की बोतल में शराब बेचने से प्लास्टिक का दुष्प्रभाव स्वास्थ में पड़ेगा ही और प्लास्टिक की बोतल में शराब बिकने से कैंसर जैसे घातक बीमारी भी हो सकती है। 5 साल तक शराबबंदी की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी जनता को लूटकर शराब से काली कमाई करके अपने जेब भरने में लगे हुये है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि 5 सालो तक विपक्ष में रहकर शराबबंदी की बड़ी-बड़ी बात करने वाली भाजपा सरकार में आने के बाद शराब की काली कमाई में लग गई है। विपक्ष में रहकर शराब को लेकर तत्कालीन सरकार को कटघरे में खड़ा करने वाली भाजपा की सरकार प्रदेश में शराब की खपत बढ़ाने की प्रयास में रोज नये प्रयोग कर रही है।

अग्रवाल सभा रायपुर द्वारा परिचय सम्मेलन का आयोजन

■ अग्र-मंथन के लिए जुटेगें प्रदेश भर से अग्र-बंधु।

रायपुर (विश्व परिवार)। समाज में बच्चों का सम्बंध करना अत्यंत दुष्कर कार्य होता जा रहा है। %परिचय होगा तो ही सम्बन्ध होंगे% इस सूत्र वाक्य को ध्यान में रखते हुए समाज के अविवाहित युवक-युवतियों के लिए एक मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

परिचय सम्मेलन का उद्घाटन सत्र शनिवार 04 अप्रेल को प्रात: 11 बजे श्री अग्रसेन धाम छेरीखेडी में होगा, जिसमें अतिथि के रूप में श्री राजेश अग्रवाल, मंत्री- छत्तीसगढ शासन, श्री अमर अग्रवाल पूर्व मंत्री एवं विधायक बिलासपुर , श्री संपत अग्रवाल विधायक बसना , श्री जयसिंग अग्रवाल पूर्व मंत्री , श्री नवीन अग्रवाल अध्यक्ष जिला पंचायत रायपुर होगें। अविवाहित युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन के लिए पूरी तरह से ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन कराया गया, जिसमें छत्तीसगढ के अलावा 17 अन्य प्रदेशों से भी रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुए है। 500 से अधिक रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुए है, जिसमें 100 से ज्यादा युवतियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। विदेशों में निवासरत 5 प्रतिभागियों ने भी अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। प्रत्याशियों के साथ आने वाले अभिभावकों की दो दिनों की पूरी आवास व्यवस्था उपलब्ध रहेगी ।

रविवार 5 अप्रैल को दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक प्रदेश की सभी अग्रवाल सभा के साथ एक चर्चा अग्र-मंथन के मंच से की जायेगी, जिसमें समाज की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य की चुनौतियों विषय पर चर्चा की जाएगी अग्र-मंथन का प्रारंभ रविवार 05 अप्रैल को दोपहर 2 बजे होगा, जिसमें अतिथि के रूप में श्री बृजमोहन अग्रवाल सांसद, श्री गौरीशंकर अग्रवाल पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं श्री राजीव अग्रवाल अध्यक्ष सी.एस.आई.डी.सी. रहेगें ।

इसी अवसर पर अग्र-धरोहर का विमोचन भी किया जाएगा। %अग्र-धरोहर में अग्र-बंधुओं द्वारा सर्व समाज की सेवा के लिए बनाए गये स्थाई प्रकल्पों का विवरण प्रकाशित किया जाएगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रोत्साहन राशि प्रस्ताव पर महापौर का आभारः इकराम

बीरगांव (विश्व परिवार)। नगर निगम बीरगांव के एमआईसी सदस्य इकराम अहमद ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम की सामान्य सभा की बैठक में महापौर नंदलाल देवांगन द्वारा निगम क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाओं, मितानिन एवं स्वच्छता दीदियों के लिए प्रोत्साहन राशि के रुप मे 1500 रुपये से 2000 रुपये तक शासन से मंजूरी के पशचात निगम से देने का प्रस्ताव बजट मे लिया गया है। इस प्रस्ताव से उत्साहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती पदमा साहू के नेतृत्व में महापौर नंदलाल देवांगन से सौजन्य मुलाकात कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर निगम क्षेत्र की बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं उपस्थित रहीं।

जनजातीय जड़ से राष्ट्रीय रंग तकः छत्तीसगढ़ की स्टार फुटबॉलर किरण पिस्दा की संघर्ष और विकास की कहानी

रायपुर (विश्व परिवार)। जब खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के सेमीफाइनल में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट के दौरान किरण पिस्दा ने गोलकीपिंग के दस्ताने पहने, तब वह अपने अब तक के अनुभवों पर भरोसा कर रही थीं। उन अनुभवों पर, जिन्होंने चुनौतियों और निराशाओं के बीच उन्हें और अधिक मजबूत बनाया।

24 साल की उम्र में किरण अपने खेल कौशल के शिखर पर नजर आती हैं। वह यूरोप में लीग फुटबॉल खेल चुकी हैं और अब बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की दहलीज पर हैं।

हालांकि, उनका यह सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा, भले ही उन्हें स्कूल और परिवार से शुरुआती समर्थन मिला। उनके भाई गिरीश पिस्दा, जो खुद राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं, उनके लिए प्रेरणा बने।

किरण ने साई मीडिया से कहा, मुझे स्कूल में काफी सपोर्ट मिला। वहीं से मुझे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के मौके मिले और हर चयन के साथ मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया।

इसके बाद किरण शारीरिक शिक्षा में डिग्री हासिल करने के लिए रायपुर आईं। छत्तीसगढ़ महिला लीग के दौरान उन्होंने चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा और उन्हें राष्ट्रीय शिविर के लिए बुलावा मिला।

किरण बताती हैं, उस समय मैं शारीरिक रूप से उतनी फिट नहीं थी और मेरा मानसिक स्तर भी सीनियर खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार नहीं था।

यही कारण रहा कि उस राष्ट्रीय शिविर में उन्हें भारतीय टीम के लिए चयन नहीं मिला। वह कहती हैं, मुझे एहसास हुआ कि वहां जो अनुभव मिला है, उस पर मुझे काम करना होगा।

इसके बाद उनके जीवन में आत्म-सुधार का एक कठिन दौर शुरू हुआ। उन्होंने अपनी फिटनेस पर काम किया, मैचों का विश्लेषण करना शुरू किया और अपनी पोजिशनल समझ को बेहतर बनाया। लेकिन सबसे बड़ा बदलाव उनकी मानसिकता में आया।

वह कहती हैं, मैंने खुद से कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए, मैं नकारात्मक नहीं सोचूंगी। अगर आप नकारात्मक हो जाते हैं, तो उसका सीधा असर आपके प्रदर्शन पर पड़ता है।

इस बदलाव में उनके मेंटर और कोच योगेश कुमार जांगड़ा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। किरन ने कहा,जब भी मुझे लगता है कि मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हूं या मन खराब होता है, तो मैं उनसे बात करती हूं। वह हमेशा मुझे सकारात्मक रहने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

उनकी मेहनत का असर धीरे-धीरे दिखने लगा। घरेलू स्तर पर उनके प्रदर्शन ने केरल ब्लास्टर्स जैसे क्लबों के दरवाजे खोले, जहां उन्होंने खुद को और निखारा। उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी बहुमुखी प्रतिभा बन गई।

अप्रैल माह के लिए लगभग 35 करोड राजस्व रायपुर नगर निगम के लिए वसूलने का लक्ष्य

रायपुर (विश्व परिवार)। आज नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप ने नगर निगम के सभी जोन कमिश्नरो सहायक राजस्व अधिकारियों की राजस्व वसूली कार्य की समीक्षा हेतु बैठक नगर निगम अपर आयुक्त श्री लोकेश्वर साहू, श्रीमती कृष्णा खटीक, अधीक्षण अभियंता श्री राजेश राठौर, नगर निवेशक श्री आभास मिश्रा, उपायुक्त श्रीमती जागृति साहू श्री जसदेव सिंह बाबरा, आईटी विशेषज्ञ श्री रंजीत रंजन की उपस्थिति में ली। आयुक्त ने रायपुर नगर निगम हेतु मार्च 2026 के अंतिम 5 दिनों में लगभग 35 करोड का राजस्व वसूलने के कार्य हेतु नगर निगम के सभी जोन कमिश्नरो एवं सहायक राजस्व अधिकारियों सहित सभी जोनो के राजस्व अमले के कर्मचारियों के कार्यों एवं मेहनत की सराहना की एवं इसे राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देश पर नागरिको हेतु संपत्तिकर अदा करने एक माह 30 अप्रैल तक बिना सरचार्ज बढ़ायी गयी छुट का सभी संपत्तिकर धारको को अधिकतम लाभ दिलवाकर सभी संपत्तिकरदाताओ से नियमानुसार देय संपत्तिकर वसूलकर शत प्रतिशत राजस्व वसूली निगम हित में करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। आयुक्त ने सभी जोन कमिश्नरो एवं जोन सहायक राजस्व अधिकारियों को नागरिको को शासन और नगर निगम द्वारा उपलब्ध ऑन लाईन संपत्तिकर भुगतान हेतु जनसुविधा हेतु शासन की मंशानुसार अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने कहा एवं अप्रैल माह में सभी जोनो को बकाया ना देने वाले बकायेदारो के संस्थानो में नियमानुसार वसूली हेतु सीलबंदी की कार्यवाही एवं बकाया ना देने वाले बड़े बकायेदारो के घरो में नल विच्छेदन की नियमानुसार कार्यवाही लगातार अभियान चलाकर निगम हित में जारी रखने के निर्देश दिये।

उड़ानें रुकीं, आस्था ने उड़ान ली, तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट के रनवे पर उतरा अनूठा धार्मिक जुलूस

■ 1932 में त्रावणकोर राजपरिवार द्वारा निर्मित, अब अदाणी समूह द्वारा संचालित एयरपोर्ट ने निभाई ऐतिहासिक परंपरा

तिरुवनंतपुरम (विश्व परिवार)। वैश्विक नागरिक उड्डयन में विरले ही देखने को मिलने वाले एक दृश्य के तहत, दक्षिण भारत के तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने एक बार फिर अपने उच्च-सुरक्षा रनवे को सदियों पुराने धार्मिक जुलूस के लिए औपचारिक मार्ग में परिवर्तित कर दिया। 2 अप्रैल को प्रसिद्ध श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के पैनकुनी आराट्टू जुलूस के आयोजन के लिए एयरपोर्ट पर लगभग चार घंटे के लिए उड़ान परिचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया। आधुनिक विमानन अवसंरचना द्वारा जीवंत विरासत को दिया गया यह सम्मान एक दुर्लभ और प्रेरक उदाहरण है।

लगभग दो किलोमीटर लंबे रनवे को हर वर्ष इस पवित्र अनुष्ठान के लिए खोला जाता है, जिससे तिरुवनंतपुरम उन गिने-चुने वैश्विक हवाई अड्डों में शामिल हो जाता है, जहाँ रनवे को श्रद्धा और धार्मिक परंपरा के सम्मान में समर्पित किया जाता है। इस जुलूस का पारंपरिक नेतृत्व त्रावणकोर के पूर्व राजपरिवार द्वारा किया जाता है, जिसने वर्ष 1932 में इस एयरपोर्ट का निर्माण कराया था। वर्तमान में हवाई अड्डे का संचालन अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (ृ ।।रु)—अदाणी समूह की कंपनी—द्वारा किया जा रहा है, जिसने 2021 में प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से इसके परिचालन अधिकार प्राप्त किए थे। प्रबंधन में बदलाव के बावजूद, यह ऐतिहासिक परंपरा दशकों से बिना किसी व्यवधान के निरंतर चली आ रही है।

मलयालम पंचांग के 'पैनकुनी' महीने से जुड़ा पैनकुनी आराट्टू अनुष्ठान देवताओं के समुद्र में पवित्र स्नान (आराट्टू) के माध्यम से सांकेतिक शुद्धिकरण का प्रतीक है। दस दिवसीय उत्सव के अंतिम दिन भगवान पद्मनाभस्वामी, नरसिंह और कृष्णस्वामी के विग्रहों को भव्य रूप से सजाए गए जुलूस के साथ मंदिर से एयरपोर्ट रनवे के माध्यम से लगभग छह किलोमीटर दूर स्थित शांगुमुगम समुद्र तट तक ले जाया जाता है।

रनवे के समीप स्थित 'आराट्टू मंडपम' में संक्षिप्त विश्राम के बाद जुलूस समुद्र तट की ओर बढ़ता है। अनुष्ठान सम्पन्न होने के उपरांत, मशालों की रोशनी से आलोकित वापसी जुलूस के साथ विग्रह पुनः मंदिर लाए जाते हैं, जिससे उत्सव का औपचारिक समापन होता है।

नगर निगम ने चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान कार्यक्रम

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 8 अंतर्गत डॉ एपीजे अब्दुल कलाम वार्ड क्रमांक 19 क्षेत्र अंतर्गत प्रीतम नगर में मारुति जिम के पास रामकी कम्पनी के श्री श्रीकांत की उपस्थिति में स्वच्छता जनजागरूकता कार्यक्रम नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से रखा गया। इस जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के रहवासी लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहवासी नागरिकों को कचरे के विभिन्न प्रकारों—जैसे गीला कचरा, सूखा कचरा और हानिकारक कचरा—के बारे में विस्तार से समझाया गया। साथ ही यह बताया गया कि कचरे का सही तरीके से पृथक्कीकरण (सेग्रिगेशन) करना क्यों जरूरी है और इससे पर्यावरण को कैसे लाभ होता है। इसके अतिरिक्त लोगों को नगर निगम के निर्देश पर रामकी कम्पनी द्वारा जारी किये गए टोल-फ्री नंबर की जानकारी दी गई, ताकि वे कचरा संग्रहण या सफाई से संबंधित किसी भी समस्या की शिकायत को आसानी से दर्ज करा सकें।

4 नई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। जिले को 4 नई 108 एम्बुलेंस मिलने से आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा मजबूत हुई है।बुधवार को कलेक्टर कुलदीप शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल एवं नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने जिला अस्पताल परिसर से हरी झंडी दिखाकर एम्बुलेंस को रवाना किया। इन 4 नई एम्बुलेंस में से 1 एम्बुलेंस एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (ृस्) सिस्टम से लैस है जो जिले में पहली बार तैनात हुई है।

श्री प्रसाद आकांत का निधन

रायपुर। श्री प्रसाद आकांत का 01.04.2026 को निधन हो गया। वे श्रीमती शिल्पा आकांत के पति, चि. प्रशस्ती आकांत के पिता थे। श्री सुनील-सुनिधी रोकडे, श्री अजय-मेघा रोकड़े के दामाद, श्रीमती प्रज्ञा-विजय शिलेदार, प्रीति-मंगेश देसाई तथा गौरी-विनीत शेंडे के भाई थे। उनका अंतिम संस्कार कोटा मुक्तिधाम में किया गया।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शुक्रवार 03 अप्रैल 2026

सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन अब 10 अप्रैल तक

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। सेना भर्ती के लिए अधिसूचना 13 फरवरी 2026 को जारी की गई है। उक्त अधिसूचना भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध है। सेना भर्ती के लिए ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया अब 10 अप्रेल 2026 तक खुली रहेगी। आवेदन अग्निवीर पुरूष जनरल, तकनीकी, लिपिक, स्टोपकीपर, ट्रेड्समैन दसवीं पास, ट्रेड्समैन आठवीं पास, अग्निवीर महिला (सेना पुलिस) तथा स्थाई कैडर नर्सिंग असिस्टेंट वेट और सिपाही फार्मा के पदों के लिए अधिसूचना जारी किया गया है।

सांसद फूलोदेवी नेताम ने संसद में छत्तीसगढ में रेल सुविधाऐं बढाने का मामला उठाया

रायपुर(विश्व परिवार)। राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम ने संसद में शून्यकाल के दौरान छत्तीसगढ में आवश्यक रेल सुविधाऐं बढाने का मामला उठाया।

राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के आदिवासी एवं पिछड़े क्षेत्रों को सुदृढ़ रेल नेटवर्क से जोड़ने हेतु पेंड्रा रोड-अमरकंटक-डिंडोरी-मंडला-घंसौर -लखनादौन-गोटेगांव (श्रीधाम) नई रेल लाइन अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है। यह रेल मार्ग अमरकंटक-नर्मदा क्षेत्र के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास को गति देगा तथा इटारसी जंक्शन के माध्यम से दिल्ली एवं मुंबई जैसे महानगरों से बेहतर रेल संपर्क सुनिश्चित करेगा। राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम ने यह भी कहा कि बिलासपुर को CTCE Plan -2030 में शामिल करने और रायपुर-सिकंदराबाद (12771/72) एवं नागपुर-मुंबई दुरंतो (12290) का विस्तार बिलासपुर तक करने की मांग भी लम्बे समय से की जा रही है।

लोकभवन में मनाया गया विभिन्न राज्यों का स्थापना दिवस

- एक दूसरे के राज्य के गौरवशाली इतिहास का स्मरण करने का है यह महत्वपूर्ण अवसर: राज्यपाल डेका
- 140 करोड़ देशवासियों को जोड़ रहा है एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान - सीएम साय

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में आज लोकभवन में 7 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय विशेष रूप से उपस्थित थे। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस समारोह में राज्यपाल श्री डेका ने मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली एवं दमन दीव, बिहार, राजस्थान और ओडिशा राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने कहा कि यह अवसर इन राज्यों की समृद्ध विरासत, ऐतिहासिक परंपराओं और विकास यात्रा को स्मरण करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू की गई एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना का उद्देश्य विभिन्न राज्यों की भाषा, संस्कृति और परंपराओं के माध्यम से आपसी समझ और जुड़ाव को बढ़ाना है जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होती है।

राज्यपाल ने मिजोरम और अरूणाचल प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता और जनजातीय संस्कृति, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन-दीव की पर्यटन एवं औद्योगिक विशेषताओं, बिहार के लोगों का अर्थव्यवस्था एवं विकास में योगदान, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत, राजस्थान के लोगों के व्यापारिक उन्नति और शौर्य परंपरा तथा ओडिशा के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा और छत्तीसगढ़ में बहुत समानताएं हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारत की विविधता की उसकी सबसे बड़ी ताकत है और ऐसे आयोजन राष्ट्रीय एकता को और अधिक मजबूत बनाते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत 140 करोड़ देशवासियों को जोड़ रहा है। भाषा, वेशभूषा, खान-पान में भले ही हम अलग अलग है लेकिन अनेकता में एकता हमारी देश की विशेषता हैं।

रेलवे ने माल लदान, यात्री परिवहन एवं राजस्व अर्जन में दर्ज की उल्लेखनीय उपलब्धियां

बिलासपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में माल लदान, यात्री परिवहन एवं माल यातायात से राजस्व अर्जन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित करते हुए भारतीय रेल में अपनी अग्रणी भूमिका को और सुदृढ़ किया है। उत्कृष्ट कार्यप्रणाली, सुदृढ़ प्रबंधन एवं समर्पित टीम वर्क के बल पर इस वर्ष दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 261.25 मिलियन टन का अब तक का सर्वोच्च माल लदान दर्ज किया है।

इसी के साथ, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने ?30,400 करोड़ से अधिक का फ्रेट राजस्व अर्जित कर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जो इसके अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दर्शाता है। यह उपलब्धि न केवल रेलवे की परिचालन क्षमता में वृद्धि को दर्शाती है, बल्कि देश की औद्योगिक एवं ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित करती है।

यात्री परिवहन के क्षेत्र में भी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 8 करोड़ 30 लाख से अधिक यात्रियों को

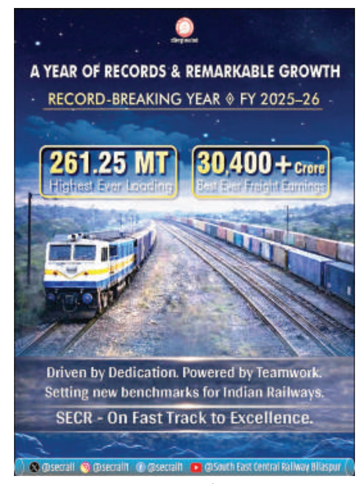

उनके गंतव्य तक पहुँचाया गया, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में परिवहन किए गए लगभग 7 करोड़ 40 लाख यात्रियों की तुलना में करीब 90 लाख अधिक है। यह वृद्धि यात्रियों के बीच रेलवे सेवाओं के प्रति बढ़ते विश्वास एवं बेहतर सुविधाओं का परिचायक है। कोयला, लौह अयस्क, इस्पात संयंत्रों हेतु कच्चा माल, सीमेंट एवं खाद्यान्न जैसे प्रमुख वस्तुओं के परिवहन में निरंतर वृद्धि इस उपलब्धि का प्रमुख आधार रही है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह से सांसद पांडेय ने की मुलाकात

रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी से भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने दिल्ली प्रवास के दौरान मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह से सांसद पांडेय ने बस्तर में नक्सल मुक्त अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान सांसद पांडेय ने बस्तर को नक्सल मुक्त बनाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बस्तर में नक्सलवाद के समापन के बाद एक नए बस्तर का उदय हुआ है। जो बस्तर को वैश्विक पहचान दिलाएगा।

श्रद्धा और उत्साह के साथ मना हनुमान जन्मोत्सव, जगह-जगह हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में हनुमान जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। रायपुर, दुर्ग, अंबिकापुर, बिलासपुर समेत कई जिलों में श्री संकट मोचन वीर हनुमान मंदिरों में पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम किए जा रहे। साथ ही मंदिरों के बाहर दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी हुई है। शहर में जगह-जगह भंडारा चल रहा है। कई जगह सुबह से प्रसाद बांटे जा रहे। मुस्लिम युवाओं ने हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर भिलाई के घड़ी चौक पर शरबत और खिचड़ी बांटी। इस दौरान जय श्री राम के नारे भी लगाए। भगवा गमछा भी अपने गले पर टंगा और हिंदू मुस्लिम एकता का संदेश दिया। रायपुर के दूधाधारी मंदिर स्थित हनुमान जी को 108 कमल फूल और जय श्री राम लिखे पत्तों की माला पहनाई गई है। जबकि, संतोषी नगर में बच्चों ने मंजीरा बजाया और कैमरे के सामने हनुमान चालीसा का सुनाया।

विधायक मूणत व महापौर मीनल चौबे ने नवनिर्मित शेड का किया लोकार्पण

रायपुर (विश्व पविार)। आज अमर रामदूत संकट मोचन भगवान श्री हनुमानजी के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर रायपुर पश्चिम विधायक और प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री श्री राजेश मूणत और रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 अंतर्गत नेताजी कन्हैयालाल बाजारी वार्ड क्रमांक 15 क्षेत्र में गुढ़ियारी मच्छीतालाब श्री हनुमान मन्दिर के समीप अधोसंरचना मद अंतर्गत नगर निगम जोन 1 लोक कर्म विभाग के माध्यम से 20 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से नवनिर्मित शेड का फीता काटकर लोकार्पण नगर निगम जोन 1 जोन अध्यक्ष श्री गज्जू

साहू, जोन 8 जोन अध्यक्ष श्री प्रीतम सिंह ठाकुर, एमआईसी सदस्य नंदकिशोर साहू, पार्षद राजेश कुमार देवांगन, परमिला बल्लाराम साहू, सोहन साहू, पूर्व पार्षद श्री खेमराज साहू, श्री विनोद अग्रवाल, पार्षद प्रतिनिधि श्री अशोक पाण्डेय, सामाजिक कार्यकर्त्ता श्री बजरंग खंडेलवाल, श्रीरामभक्तों की उपस्थिति के मध्य करते हुए शानदार सौगात दी.

जीके टीएमटी का सीएसआर पहल: रायपुर ट्रैफिक व्यवस्था को मिला सहयोग

रायपुर (विश्व परिवार)। शहर में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए *जीके टीएमटी* ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्क्र) पहल के अंतर्गत रायपुर ट्रैफिक विभाग को सहयोग प्रदान किया है। इस पहल के तहत जीके टीएमटी द्वारा 50 ट्रैफिक बैरिकेड्स उपलब्ध कराए गए हैं, साथ ही शहर के प्रमुख स्थानों पर 2 यूनिपोल्स भी स्थापित किए गए हैं। इस कार्य को रायपुर ट्रैफिक विभाग के साथ समन्वय में, डीएसपी गुरजीत सिंह के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम बनाना और सड़क सुरक्षा मानकों को मजबूत करना है। जीके टीएमटी की यह पहल न केवल नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देती है, बल्कि समाज के प्रति कंपनी की जिम्मेदारी को भी दर्शाती है। जीके टीएमटी सुरक्षित, सुव्यवस्थित और बेहतर समाज के निर्माण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

मैट्स विश्वविद्यालय में कैंपस भर्ती अभियान का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। लुसिंटेल इंडिया के लिए कैंपस भर्ती अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जो एमएटीएस विश्वविद्यालय परिसर में हुआ। छत्तीसगढ़ के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम से बाजार अनुसंधान के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों की गहरी रुचि स्पष्ट हुई। यह भर्ती अभियान मार्केट रिसर्च एसोसिएट के पद के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ सुश्री मोना मुजुंबर (कंसल्टेंट) के ज्ञानवर्धक प्रस्तुति से हुआ, जिन्होंने छात्रों को लुसिंटेल की वैश्विक उपस्थिति, संगठनात्मक मूल्यों और विकास के अवसरों से अवगत कराया।

इसके बाद, वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक श्री मनसा गंतयात और श्री इरशाद अली ने पद, वर्तमान परियोजनाओं और संभावित उम्मीदवारों से अपेक्षाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उनके सत्र में उद्योग जगत की बहुमूल्य जानकारियाँ शामिल थीं, जिससे प्रतिभागियों को बाजार अनुसंधान के व्यावहारिक पहलुओं को समझने में मदद मिली।

इस पहल का नेतृत्व लुसिंटेल इंडिया के मानव संसाधन बिजनेस पार्टनर श्री रूपेंद्र वर्मा ने एमएटीएस विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के साथ मिलकर किया। इस सहयोगात्मक प्रयास से भर्ती प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हुई।

कुँवरगढ़ महोत्सव के दूसरे दिन उमड़ा जनसैलाब

- विवेक शर्मा, गरिमा दिवाकर, पप्पू चंद्राकर और चम्पा निषाद की सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने जीता दर्शकों का दिल

रायपुर (विश्व परिवार)। कुँवरगढ़ नगर के इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। विधायक अनुज शर्मा की विशेष पहल और प्रयासों से आयोजित %कुँवरगढ़ महोत्सव% के दूसरे दिन जनउत्साह चरम पर रहा। क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और गौरवशाली इतिहास को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से आयोजित इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा एवं कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब सम्मिलित हुए।

कुंवरगढ़ महोत्सव इस वर्ष अपनी भव्यता और लोक कला के अनूठे संगम के लिए यादगार बन गया। महोत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में छत्तीसगढ़ के नामचीन कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े। उनके सुरीले गीतों, सांस्कृतिक प्रस्तुति ने युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक को झूमने पर मजबूर कर दिया। छत्तीसगढ़ के नामचीन कलाकारों नें अपनी प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। उनके गीतों पर दर्शक देर रात तक थिरकते रहे। इस अवसर पर नारायणपुर के अबूझमाड़ मलखंब एवं अंतर्राष्ट्रीय पोल आर्टिस्टो ने भी अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया।

आग्रह पर मंत्री नें मोर गंवई ये गंगा रे गीत सुनाया

वहीं मंत्री खुशवंत साहेब नें विधायक अनुज शर्मा के पहल को क्रांतिकारी बताते हुए कहा कि कुँवरगढ़ का इतिहास केवल पत्थरों और स्मारकों में नहीं, बल्कि यहाँ के जन-मानस की रगों में दौड़ते गौरव और स्वाभिमान में है। एक जनप्रतिनिधि का कर्तव्य केवल सड़क और बिजली तक सीमित नहीं होता, बल्कि अपनी विरासत को सहेजना भी होता है। विधायक जी ने इस महोत्सव के माध्यम से उस सोए हुए गौरव को पुन: जागृत करने का जो बीड़ा उठाया है, वह प्रशंसनीय है। अनुज जी ने जिस आत्मीयता से इस क्षेत्र की कला, लोक-संगीत और इतिहास को संजोने का प्रयास किया है, वह यह दर्शाता है कि एक जनप्रतिनिधि अपनी माटी के प्रति कितना समर्पित हो सकता है।

खेलो इंडिया: दशरथ तलवार, नागिनी के स्वर्ण से कर्नाटक की बढ़त मजबूत; छत्तीसगढ़ को एक रजत और एक कांस्य

- जगदलपुर में एथलेटिक्स में ओडिशा ने चार और झारखंड ने दो स्वर्ण जीते
- छत्तीसगढ़ के गजेंद्र ठाकुर ने 800 मीटर में रजत, पुरुष हॉकी टीम को कांस्य, मेजबान पुरुष फुटबॉल टीम फाइनल में

रायपुर(विश्व परिवार)। रेस वॉकर दशरथ तलवार और मिडिल-डिस्टेंस धाविका नागिनी के स्वर्ण पदकों की बदौलत कर्नाटक ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के आठवें दिन अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। वहीं

छत्तीसगढ़ के गजेंद्र ठाकुर ने पुरुष 800 मीटर में रजत पदक जीता और पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक हासिल किया। जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर एथलेटिक्स ट्रैक पर दशरथ तलवार ने 45:13.85 के समय के साथ पुरुष 10 किमी रेस वॉक में कर्नाटक को 1-2 की बढ़त दिलाई। उनके साथी दर्शन बगाड़ी (46:25.90) दूसरे स्थान पर रहे, जबकि गुजरात के सागरभाई कटारा (48:16.09) तीसरे स्थान पर रहे।

इसके बाद नागिनी ने महिलाओं की 800 मीटर दौड़ में 2:13.80 का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक जीता, जिससे कर्नाटक के स्वर्ण पदकों की संख्या 21 हो गई। कर्नाटक ने अब तक आठ रजत और सात कांस्य सहित कुल 36 पदक जीत लिए हैं।

छत्तीसगढ़ के गजेंद्र ठाकुर ने पुरुष 800 मीटर में 1:53.82 के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। इस स्पर्धा में ओडिशा के दावनिधि मुंडा ने 1:53.33 के समय के साथ स्वर्ण जीता। अपने प्रदर्शन से खुश ठाकुर ने बताया कि उन्होंने एथलेटिक्स में प्रशिक्षण केवल एक साल पहले शुरू किया था। उन्होंने साई मीडिया से कहा, 'मैं बिलासपुर के ख्र्ढ्ढ ट्रेनिंग सेंटर में कबड्डी ट्रायल देने आया था, लेकिन मेरी फिटनेस देखकर कोचों ने मुझे ट्रैक इवेंट्स में जाने की सलाह दी। अपने घर में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में पहला राष्ट्रीय स्तर का पदक जीतकर मैं बेहद खुश हूं।' इससे पहले, छत्तीसगढ़ की पुरुष हॉकी टीम ने पड़ोसी मध्य प्रदेश को 14-6 से हराकर कांस्य पदक जीता। इन दो पदकों के साथ छत्तीसगढ़ की कुल पदक संख्या दो स्वर्ण, आठ रजत और पांच कांस्य हो गई है और टीम समग्र तालिका में 10वें स्थान पर है। एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के सिर्फ एक दिन शेष रहने के बीच, दूसरे स्थान पर काबिज ओडिशा ने बुधवार को चार स्वर्ण पदक जीतकर अपनी चुनौती बरकरार रखी। ओडिशा के लिए दावनिधि मुंडा (पुरुष 800 मीटर), रोशन खड़िया (पुरुष 400 मीटर हर्डल्स), दीपा किसान (महिला हाई जंप) और धनमती जेस (महिला भाला फेंक) ने स्वर्ण पदक जीते।

वहीं झारखंड ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स और 10 किमी रेस वॉक में दो स्वर्ण पदक हासिल कर पदक तालिका में अपना तीसरा स्थान मजबूत किया। झारखंड के अब कुल 19 पदक हो गए हैं, जिनमें नौ स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य शामिल हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354